सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 215 | जौनपुर, गुरूवार, 02 मई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंचीं अयोध्या, हनुमानगढ़ी के किए दर्शन

अयोध्या, संवाददाता। लोकसभा चुनाव के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को पहली बार अयोध्या पहुंची। इस दौरान महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वह हनुमानगढ़ी दर्शन के लिए पहुंचीं। एयरपोर्ट से लेकर अयोध्या धाम तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जगह-जगह आवागमन रोका गया है। निर्धारित कार्यक्रम के तहत राष्ट्रपति सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंचीं और दर्शन-पूजन किया। वह रामलला के दरबार में भी हाजिरी लगाएंगी। राष्ट्रपति के आगमन पर खुफिया एजेंसियों से लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर है। आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि जिन रास्तों से राष्ट्रपति का काफिला आएगा, उन रास्तों पर जवानों को तैनात किया गया है। सादी वर्दी में भी जवानों को लगाया गया है। सर्विलांस और इलेक्ट्रानिक उपकरणों का भी सहारा लिया जा रहा है।

लालू सिर्फ अपने परिवार के लिए काम करते हैं, हम लोगों के लिए करते हैं – नीतीश कुमार

बिहार, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को दावा किया कि वह (यादव) केवल अपने परिवार के लिए काम करते हैं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार के लोगों के लिए काम करता है। सुपौल लोकसभा क्षेत्र के सहरसा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कुमार ने दावा किया कि 2005 में उनके सत्ता में आने से पहले राज्य में कोई विकास नहीं हुआ था। उन्होंने कहा,''वह (लालू) केवल अपने परिवार के लिए काम करते हैं– उनकी पत्नी, बेटे और बेटियां उनके लिए सब कुछ है। वह खुद सत्ता में थे... फिर अपने बेटों को आगे बढ़ाया और अब अपनी बेटियों को आगे बढ़ा रहे हैं। लेकिन हम सभी के लिए काम करते हैं। मेरे लिए पूरा बिहार मेरा परिवार है।'' मुख्यमंत्री ने स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, ''कोई नौ बच्चा पैदा करता है?'' कुमार ने दावा किया कि बिहार में राजद के कार्यकाल के दौरान लोग बाहर तक नहीं जा सकते थे। उन्होंने आरोप लगाया, ''लोग पुरानी बातें भूल जाते हैं, इसलिए, मैं सभी को याद दिलाना चाहता हूं कि 2005 से पहले उनके कार्यकाल में बिहार में कोई विकास कार्य नहीं किया गया था। लोग बाहर नहीं निकल सकते थे, सड़कें या शिक्षा नहीं थी। सांप्रदायिक झड़प आम बात थी। मेरे कार्यकाल के दौरान राज्य में मदर्सों को मान्यता दी गई थी। हमने अब तक राज्य में आठ हजार कब्रिस्तानों की चारदीवारी कराई। लगभग एक हजार से अधिक अन्य कब्रिस्तानों को भी चारदीवारी के लिए चिह्नित कर लिया गया है।

दस वर्ष में देश के अंदर सुरक्षा का बेहतर माहौल बना – मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से मुखातिब हुए। महाराष्ट्र दौरे पर जाने से पहले वे कांग्रेस पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल है। दुर्भाग्य से आजादी के बाद यह दिशाहीन और आज नेतृत्व विहीन भी हो गया। दिशाहीनता का ही दुष्परिणाम है कि कांग्रेस के तमाम नेताओं ने लगातार भारत की सभ्यता, संस्कृति को कोसने, अपमानित करने और सनातनता को हर प्रकार से बदनाम करने के कुत्सित प्रयास किए हैं। यूपीए सरकार के समय यही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति देखने को मिली थी, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री ने भगवा आतंकवाद के नाम पर भारत की सनातन संस्कृति को अपमानित व दुनिया के सामने बदनाम करने की कुत्सित चेष्टा की थी। हर

व्यक्ति जानता है कि कांग्रेस की नीतियां देश के अंदर नक्सलवाद और आतंकवाद का कारण बनीं।

कांग्रेस सरकार में नहीं थी आतंकवाद, उग्रवाद से लड़ने की इच्छाशक्ति

सीएम ने कहा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या का समाधान हुआ है। जम्मू कश्मीर के उग्रवाद-आतंकवाद, पूर्वोत्तर की अराजकता पर भी अंकुश लग गया है। यूपीए सरकार के समय लगभग 17 राज्यों के 115-120 जनपद ऐसे थे, जो नक्सली हिंसा की चपेट में थे। उस सरकार में आतंकवाद, नक्सलवाद, उग्रवाद से लड़ने की इच्छाशक्ति नहीं थी, यही कारण था कि देश में अराजकता और अव्यवस्था थी पर अब नक्सलवाद को नियंत्रित कर लिया गया है। देश के एकाध राज्यों के दो-तीन जनपदों तक यह सीमित हो गया है। बहुत शीघ्र यहां से भी नक्सलवाद का अंत होगा।

दस वर्ष में देश के अंदर सुरक्षा का बेहतर माहौल बना है

सीएम योगी ने कहा कि पिछले दस वर्ष में देश के अंदर सुरक्षा का बेहतर माहौल बना है। आतंकवाद की जड़ जम्मू-कश्मीर में धारा-370 को पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पूरी तरह समाप्त करते हुए जम्मू-कश्मीर को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा गया। पूर्वोत्तर के राज्यों के उग्रवाद व अराजकता को नियंत्रित करते हुए उन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने में सफलता प्राप्त हुई। कांग्रेस सरकार भारत की सनातन सभ्यता व संस्कृति को अपमानित व बदनाम करती थी लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में यह दुनिया में सम्मान प्राप्त कर रही है। भारत का गौरव अब पुनर्स्थापित हुआ है।

चार जून को जब परिणाम आएंगे तो मोदी जी प्रचंड बहुमत के साथ प्रधानमंत्री बनेंगे

सीएम ने कहा कि विश्वास है कि कांग्रेस सनातनियों को बदनाम करने, उनके हिस्से पर सेंधमारी करने, जाति-खेमों में बांटने का कुत्सित प्रयास कर देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही थी। जनता उस कांग्रेस को पूरी तरह दरकिनार करते हुए मोदी जी के नेतृत्व में फिर एक बार मोदी सरकार के संकल्प के साथ जुड़ रही है। 4 जून को जब 2024-लोकसभा चुनाव के परिणाम आएंगे तो प्रचंड बहुमत के साथ मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उनका तीसरा कार्यकाल भारत की समृद्धि, सुरक्षा, आत्मनिर्भर व विकसित भारत बनाने की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। हर भारतवासी के लिए यह गौरव का क्षण होगा।

कांग्रेस उन लोगों के हाथों की कठपुतली थी, जो देश के विभाजन के कारक थे

एक सवाल के जवाब में सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति देश के विभाजन का कारण बनी थी।

यह दिखाता है कि कांग्रेस नेतृत्व भारत की सनातन संस्कृति व परंपरा को अपमानित और कठघरे में खड़ा करके उन लोगों के हाथ की कठपुतली बनी हुई थी, जो देश के विभाजन के कारक थे। जिन लोगों ने भारत व भारतीयता को हमेशा कोसा है और उसकी अपूर्णीय क्षति की है। कांग्रेस लगातार उनके हाथों में खेलते हुए भारत को अपमानित कर रही थी।

मोदी के रहते आरक्षण को कोई खत्म नहीं कर सकता – केशव प्रसाद मौर्या

उत्तर प्रदेश, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रहते दलित और पिछड़ों के आरक्षण को कोई भी खत्म नहीं कर सकता। मौर्य ने कौशांबी से भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर की नामांकन रैली में शामिल होने के बाद मंझनपुर में एक जनसभा को भी संबोधित किया। बाद में संवाददाताओं से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को 'आरक्षण खत्म करो गैंग' का सरगना बताए जाने पर कांग्रेस को ही कठघरे में खड़ा किया। राहुल पर पलटवार करते हुए मौर्य ने कहा, ''आरक्षण तो उनके पिता नहीं खत्म कर पाए। उनकी दादी, उनकी दादी के पिता तक नहीं खत्म कर पाये। नरेन्द्र मोदी के रहते कोई आरक्षण खत्म नहीं कर सकता।'' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों 'एक्स' पर लिखा था, ''भारतीय जनता पार्टी आरक्षण खत्म करो गैंग का अड्डा है और नरेंद्र मोदी उसके सरगना।'' उपमुख्यमंत्री ने दावा किया कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी की लहर थी, 2019 में मोदी की अंधी थी और 2024 में मोदी की सुनामी है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा इस बार उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटें जीत रही है।

धर्म के आधार पर आरक्षण का खेल किसी को भी खेलने नहीं दूंगा - पीएम मोदी

गुजरात, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस को खुली चुनौती देते हुए उनसे लिखित में देने को कहा कि वे भारत के संविधान को कभी नहीं बदलेंगे और धार्मिक आधार पर आरक्षण नहीं देंगे। उन्होंने कहा, मैं कांग्रेस के शहजादे (राहुल गांधी) को खुली चुनौती दे रहा हूं कि अगर आपमें हिम्मत है तो घोषणा करें कि आप कभी भी धार्मिक आधार पर कोटा नहीं देंगे और न ही कोटा प्रणाली का दुरुपयोग करके संविधान बदलेंगे। मोदी ने तंज कसते हुए कहा कि वे ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि उनकी मंशा साफ नहीं हैं। पीएम मोदी ने कर्नाटक की ओर इशारा करते हुए कहा कि कांग्रेस ने रातों-रात मुसलमानों को ओबीसी घोषित कर दिया और ओबीसी कोटे का एक हिस्सा दे दिया। उन्होंने कहा कि इसे लिखित में दें ताकि आपको भविष्य में जवाबदेह ठहराया जा सके। उन्होंने कांग्रेस से यह भी लिखित में देने को कहा कि आप एससी, एसटी ओबीसी कोटा के साथ छेड़छाड़ नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, मैंने इस देश की क्षमता देखी है, जिसके आधार पर मैं अपनी गारंटी देता हूं। मेरी गारंटी खोखले वादे नहीं हैं। वे मेरे अनुभव और भारत की प्रतिभा की समझ से उपजे हैं, जो मुझे विश्वास दिलाता है कि हम क्या हासिल कर सकते हैं। मोदी ने कहा कि तीसरी बार जब हमारी सरकार बनेगी तो अगले 100 दिन में मुझे क्या करना है– अभी से ही मैंने प्लान तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब मैं पहली बार लोकसभा के मैदान में

आया तो कांग्रेस के पास मुद्दे थे कि ये चाय वाला क्या करेगा... ये मेरी मजाक उड़ाते थे। लेकिन देश ने उनकी इस हरकतों को ऐसा जवाब दिया कि जो कभी 400 सीट लेकर बैठते थे वो 40 सीट पर आ गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे ने गर्व के साथ पूरे मोदी समाज को, पूरे ओबीसी समाज को चोर कह दिया। यही नहीं, ये मेरे माता-पिता को भी भला-बुरा कहने में पीछे नहीं रहे। उन्होंने कहा कि अब 2024 में कांग्रेस और इंडी गठबंधन ऐसा झूठ लेकर फिर से मैदान में आए हैं– संविधान दिखाते हैं, आरक्षण ले लेंगे... इसका डर दिखाते हैं। यही उनका काम है। देखिएगा... इस बार भी ये पहले से कम सीटों में सिमट जाएंगे। पहले चरण में इंडी गठबंधन पस्त हुआ और दूसरे चरण में पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। अपना हमला जारी रखते बहुए मोदी ने कहा कि ये मोहब्बत की दुकान लेकर निकले थे, लेकिन इन्होंने मोहब्बत की दुकान में फेक वीडियो का कारोबार खोल दिया है। अब चुनाव में उनकी बातें नहीं चल रही, इसलिए वो फर्जी वीडियो बनाकर फैला रहे हैं। इनकी मोहब्बत की दुकान फेक फैक्ट्री हो चुकी है।

आने वाले समय में कांग्रेस व सपा का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा - राजनाथ सिंह

आगरा, संवाददाता। लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण के मतदान से पहले आगरा आए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस और

समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 10 साल बाद जब आप अपने बच्चों से कांग्रेस और सपा के बारे में पूछेंगे, तो वे बोलेंगे कौन कांग्रेस और सपा को समाप्त पार्टी। इस दौरान रक्षा मंत्री ने बाह के जरार मंडी मैदान से भाजपा प्रत्याशी राजकुमार चाहर को जिताने की अपील की। राजनाथ सिंह ने कहा कि आपके बीच राजकुमार चाहर के लिए आया हूं। उन्होंने लोगों की नाराजगी को भांपते हुए कहा कि राजकुमार चाहर मेरे बहुत प्रिय लोगों में हैं। इनकी क्षमता और प्रतिभा से पार्टी प्रभावित हुई, इसलिए किसान मोर्चे के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व दिया। कई ऐसे दायित्व का निर्वहन मैं कर चुका हूं, इसलिए क्षेत्रीय जनता को समय देना थोड़ा मुश्किल होता जाता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दो सपने थे। एक कांग्रेस पार्टी को भंग कर देना और दूसरा गरीबी हटा देना। नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक को कटघरे में खड़ा किया। हमलावार होते हुए बोले कि कांग्रेस को जनता विलुप्त कर रही है। तो भाजपा की सरकार आवास, आयुष्मान योजना व अन्य योजनाओं के माध्यम से गरीबी को दूर कर रही है। ये भाजपा की ही देन है जो भारत आज विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है।

अटल जी को नमन कर जनता से सीधे जुड़ने का किया प्रयास

अपनी चुनावी सभा की शुरूआत रक्षा मंक्षी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को नमन कर की। उन्होंने कहा कि अटल जी इसी धरती बटेश्वर से निकले, एक कद्दावर नेता थे। वे देश की ही नहीं बल्कि विश्व की सम्मानित शख्सियत थे।

राजनाथ सिंह ने भाजपा के घोषण पत्र पर बोलते हुए कहा कि ये वो पार्टी है, जिसने अपने घोषणा पत्र में जो कहा वो पूरा किया। उन्होंने जनता को आर्टीकल 370 हटाने का मुद्दा तो वहीं राम मंदिर प्राण प्रतिष्णा की उपलब्धि को भी गिनाया। कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि वो पूछते थे कि तारीख कब बताएंगे, हमने 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कर जवाब दिया।

विपक्ष राम को कितना ही नकारे, आना उनके चरणों में ही पड़ेगा – अनुराग ठाकुर

अयोध्या, संवाददाता। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज अयोध्या धाम पहुंचकर दिव्य और भव्य राम मंदिर में विराजमान राम लला का दर्शन और पूजन कर समस्त देशवासियों के सुख एवं समृद्धि की कामना की। अनुराग ठाकुर ने कहा कि वे और आज की पीढ़ी सौभाग्यशाली हैं कि उनके जीवन काल में 500 वर्षों के संघर्ष के बाद राम लला को अपने धाम में विराजमान होते देखने का सौभाग्य मिला है। मौजूद मीडिया कर्मियों द्वारा कांग्रेस के ऊपर एक सवाल के प्रतिक्रिया में अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि "कांग्रेस वह पार्टी है जिसने हमारे आराध्य प्रभु राम के अस्तित्व को स्वीकारने से इनकार किया था। राम मंदिर ना बने इसके लिए उन्होंने कोर्ट में वकीलों की फौज खड़ी की थी। उनके कुछ नेता तो वहां पर पुनः बाबरी मस्जिद के निर्माण के पक्षधर हैं। इसीलिए न्यास द्वारा आमंत्रण मिलने पर भी कांग्रेस का कोई नेता प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नजर नहीं आया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष के लोग वोट बैंक के लिए चाहे कितनी भी चादर चढ़ा लें पर आना उनको प्रभु श्रीराम के चरणों में ही पड़ेगा। जो प्रभु राम को लाए हैं, जनता उन्हें ही लाएगी" अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सदैव ओछी राजनीति करती है। इससे पहले जब अपने कौशल के दम पर अनुसूचित जाति से आने वाले आदरणीय रामनाथ कोविंद जी देश के राष्ट्रपति बने थे और आज जब अनुसूचित जनजाति से आने वाली आदरणीय श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी देश की राष्ट्रपति हैं तब भी कांग्रेस ने इनका अपमान किया। जब न्यास के अधिकारियों ने स्पष्ट किया था कि पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान राष्ट्रपति दोनों को निमंत्रण गया था तब कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी जी द्वारा इस पर घटिया राजनीति करना शर्मनाक है। अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि कांग्रेस कन्फ्यूज्ड और करप्ट पार्टी है।

पिछले 10 साल से हम सत्ता में है, हमने आरक्षण नहीं हटाया, ना हटाएंगे –अमित शाह

छत्तीसगढ़, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में नई भाजपा सरकार में चार महीने में 95 नक्सलियों को मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि अगर नरेन्द्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनते हैं तो दो साल में छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने विपक्ष पर वार करते हुए कहा कि झूठ जोर से बोलना, सार्वजनिक रूप से बोलना और बार-बार बोलना ही कांग्रेस का मंत्र बन गया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम पिछले 10 साल से बहुमत में हैं, लेकिन हमने आरक्षण नहीं हटाया और ना ही इसे हटाएंगे। अमित शाह ने कोरबा की रैली में कहा कि हम एसटी, एससी और ओबीसी के आरक्षण को नहीं हटाएंगे, ना ही हम कांग्रेस को ऐसा करने देंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़

प्रभु राम का ननिहाल है। कांग्रेस 70 साल से अटका रही थी, लटका रही थी, भटका रही थी। छत्तीसगढ़ वालों ने 11 में से 9 सीटें देकर मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया और उन्होंने 5 साल में ही केस भी जीता, भूमिपूजन भी किया और 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा करके जय श्रीराम कर दिया। कांग्रेस के भूपेश कक्का की सरकार नक्सलवाद को बढ़ावा देती रही।

कोविशील्ड मामले की हो उच्च स्तरीय न्यायिक जांच, जिम्मेदार लोगों पर चले मुकदमा - अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। कोविशील्ड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स को लेकर उठे विवाद के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी ने लोगों की जान जोखिम में डालकर वैक्सीन निर्माता से राजनीतिक चंदा वसूला है और इसकी उच्च स्तरीय न्यायिक जांच की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी जानलेवा दवाओं की अनुमति देना किसी की हत्या की साजिश के समान है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक व्यक्ति को दो वैक्सीन के हिसाब से लगभग 80 करोड़ भारतीयों को कोविशील्ड वैक्सीन दी गयी है, जिसके बारे में उसका मूल फार्मूला बनानेवाली कंपनी ने कहा है कि

इससे हृदयघात का खघ्तरा हो सकता है। जिन लोगों ने वैक्सीन के साइड एफेक्ट के कारण अपनों को खोया है या जिन्हें वैक्सीन के दुष्परिणामों की आशंका थी, अब उनका शक और डर सही साबित हुआ है। उन्होंने कहा, लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों को जनता कभी माफ नहीं करेगी। ऐसी जानलेवा दवाइयों को अनुमति देना किसी की हत्या के षड्यंत्र के बराबर है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर आपराधिक मुकध्दमा चलना चाहिए। उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा,''सत्ताधारी दल ने वैक्सीन बनानेवाली कंपनी से राजनीतिक चंदा वसूलकर जनता की जान की बाजी लगायी है। न कघनून कभी उन्हें माफ करेगा, न जनता। इस मामले में सर्वोच्च स्तर पर न्यायिक जांच हो। इससे पहले, मंगलवार को सपा नेताओं ने आरोप लगाया था कि भाजपा ने लोगों को जबरन लगाई गई कोविड वैक्सीन के निर्माता से कमीशन लिया। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रमुख अजय राय ने भी इस मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला किया था और आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा था।

संपादकीय

दासत्व का मार्ग

वर्तमान शासन का आर्थिक दर्शन जितना सरल है उतना ही अश्लील भीरू गरीबों को पांच किलोग्राम मुफ्त राशन दें और एक पूंजीपति को पांच हवाई अड्डे लेने में मदद करें। वित्त आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष ने हाल ही में लिखा, हमें असमानता पर नींद नहीं खोनी चाहिए। प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष ने कहा, अंतर की परवाह न करें। अरविंद पनगढ़िया और बिबेक देबरॉय का लेखन भारत पर विश्व असमानता लैब की रिपोर्ट के प्रकाशन के तुरंत बाद सामने आया। लैब में थॉमस पिकेटी और उनके सहयोगियों ने बताया कि भारत में असमानता अब तक के उच्चतम स्तर पर है। असमानता का यह घटिया स्तर हमने ब्रिटिश शासन के दौरान भी नहीं देखा था। उन्होंने बताया कि हमारी आबादी का 1% राष्ट्रीय आय का 22% हिस्सा रखता है और देश की 40% संपत्ति का मालिक है। भारत के शीर्ष 1% की आय हिस्सेदारी दुनिया में सबसे अधिक है। हालाँकि, पनगढ़िया और देबरॉय ने हमें चिंता न करने के लिए कहा है। उनका कहना है कि मायने यह नहीं रखना चाहिए कि असमानता बढ़ रही है, बल्कि यह है कि अत्यधिक गरीबी खत्म हो गई है या नहीं। अत्यधिक गरीबी को खत्म करने की आवश्यकता से कोई भी झगड़ नहीं सकता। हालाँकि, समस्या तब उत्पन्न होती है जब असमानता को इसके लिए एक अपरिहार्य शर्त के रूप में देखा जाता है। ये मंदारिन स्पष्ट रूप से उम्मीद करते हैं कि धन सृजनकर्ता – वास्तव में, ये दोनों – निवेश करेंगे और नौकरियां पैदा करेंगे। सौदे के हिस्से के रूप में, पनगढ़िया ने यह भी सुझाव दिया कि हमें उनके कभी–कभार होने वाले दिखावटी उपभोग के प्रति सहिष्णु होना चाहिएरू मानो इसी के अनुरूप, हाल ही में भारतीय मीडिया के फीड में एक धन निर्माता के असाधारण विवाह–पूर्व जश्न के वीडियो क्लिप छाए रहे। भारत में बेरोजगारी पर अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने भी अपनी रिपोर्ट जारी की है. इसमें कहा गया कि कुल बेरोजगारों में 83 फीसदी युवा हैं. कुल बेरोजगार आबादी में शिक्षित युवाओं की हिस्सेदारी 66% है। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा है कि बेरोजगारी जैसे मुद्दों को संबोधित करना सरकार का अधिकार नहीं है। उन्होंने बेरोजगारी से लड़ने का वादा करने वाले नेताओं की तुलना 1970 के दशक में चो रामास्वामी की व्यंग्यात्मक तमिल फिल्म मुहम्मद बिन तुगलक के एक काल्पनिक प्रधान मंत्री से की। यह स्पष्ट नहीं है कि वी. अनंत नागेश्वरन ने जब ऐसा कहा तो उनके दिमाग में प्रधानमंत्री थे या नहीं। भारत में युवा बेरोजगारी दर दुनिया में सबसे अधिक है। 23% की हेडलाइन दर देश को यमन, ईरान, लेबनान, सीरिया और ऐसे अन्य देशों की कंपनी में रखती है जो श्सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाश या श्पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाश होने का दावा नहीं करते हैं। हमारे छोटे पड़ोसी, बांग्लादेश के लिए, यह आंकड़ा 12% है – भारत का आधा। इससे भी डरावना तथ्य यह है कि भारत में 20 से 24 वर्ष के आयु वर्ग के लोगों में बेरोजगारी दर 44ः है। अब हम जानते हैं कि गाजा में इजरायली सरकार द्वारा दी जाने वाली नौकरियों के लिए भर्ती केंद्रों पर बड़ी संख्या में युवा उमड़ रहे हैं। हाल ही में, हैदराबाद में, हम चौंकाने वाली खबर से उठे। यूक्रेन से एक युवक का शव विमान से घर लाया गया. हमें इसकी जानकारी नहीं है कि रूस के युद्ध प्रयासों में सहायता के लिए यहां से युवाओं की भर्ती की जा रही है। जनवरी 2022 में 35,000 नौकरियों के लिए एक रेलवे भर्ती विज्ञापन के लिए अविश्वसनीय 1 करोड़ 25 लाख आवेदन प्राप्त हुए। जब बेरोजगारी की स्थिति इतनी गंभीर है, जिससे भारत के युवा दुनिया में कहीं भी मिलने वाली किसी भी नौकरी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो पीएमईएसी के संजीव सान्याल ने एक साक्षात्कार में श्आकांक्षा की गरीबीश पर बात की। उन्होंने महसूस किया कि हमारे युवा पर्याप्त आकांक्षी नहीं हैं। उस साक्षात्कार में जो स्पष्ट था वह उनकी असंवेदनशीलता और उनकी संवेदनहीनता थी। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि भारत के युवा बिल गेट्स या मुकेश अंबानी या एलोन मस्क की तरह बनने की आकांक्षा नहीं कर रहे हैं। वह इस बात से परेशान हैं कि हमारे युवा सरकारी नौकरियों (सिविल सेवाओं सहित) में बस रहे हैंय अन्यथा, वे श्अड्डा बुद्धिजीवीश, संघ नेता, या यहां तक कि श्स्थानीय गुंडे राजनेताश बनने जैसी सीमित आकांक्षाएं पालते हैं। हमारे आर्थिक नीति प्रतिष्ठान के इन पुरोधाओं की वैचारिक स्थिति मौलिक नहीं है। वे फ्रेडरिक हायेक और मिल्टन फ्रीडमैन जैसे नवउदारवादी उच्च पुजारियों के अनुचित रूप से पुनर्निर्मित पद हैं। जबकि रोनाल्ड रीगन और मार्गरेट थैचर पश्चिम में राजनीति और शासन में इन विचारों के प्रबल समर्थक थे, 1987 की हॉलीवुड बॉक्स–ऑफिस हिट, वॉल स्ट्रीट में गॉर्डन गेको के चरित्र द्वारा इस पंथ के चित्रण ने इसे पूरे मोबाइल वर्ग के लिए आकर्षक रूप से आकर्षक बना दिया। दुनिया। तब से, यह न केवल नैतिक रूप से स्वीकार्य हो गया, बल्कि लाभ और धन की एकल–दिमाग वाली खोज भी वांछनीय बन गई। व्यवसायों की प्राथमिक जिम्मेदारी, उनकी पुस्तक में, शेयरधारकों के प्रति है। व्यवसायों के मूल्य और लाभ को बढ़ाना समाज के मिशन के रूप में निर्धारित किया गया है। वे कैसे बढ़ते हैं और शेष समाज पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है, यह कम चिंता का विषय है। उनके लिए लालच अच्छा है असमानता अच्छी है इस सूत्रीकरण में, असमानता न केवल शांत है बल्कि आर्थिक विकास और लंबे समय में अत्यधिक गरीबी को खत्म करने के लिए एक शर्त भी है। यदि संभव हो तो सार्वजनिक नीति को इस प्रक्रिया में मदद करनी चाहिए। या यदि ऐसा नहीं हो सकता तो इसे एक तरफ खड़ा कर देना चाहिए और ट्रिकल–डाउन होने की उम्मीद से प्रतीक्षा करनी चाहिए।

बाजरे को सार्थक बनाना

विनोद

तमाली चक्रवर्ती, ज्योतिष्मिता कलिता, बरुण कुमार ठाकुर द्वारा बाजरा, छोटे बीज वाले खरीफ अनाज, की खेती मुख्य रूप से एशिया और अफ्रीका के विकासशील देशों में स्थानीय उपभोग के लिए निर्वाह फसल के रूप में की जाती है। ज्वार, बाजरा, रागी, कांगनी आदि भारत में उगाई जाने वाली कुछ प्रमुख बाजरा फसलें हैं। 1960 के दशक में हरित क्रांति के जोर के प्रभाव के कारण भारत के प्राचीन भोजन (सिंधु घाटी सभ्यता, लगभग 3000 ईसा पूर्व) के उपयोग और उत्पादन में गिरावट आई। ।कअमतजपेमउमदज चूँकि लोगों ने अपनी आय में वृद्धि के साथ इसकी खपत कम कर दी, इसलिए बाजरा एक घटिया वस्तु बन गया। हालाँकि, केंद्रीय बजट 2023 में बाजरा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके अलावा, सरकार की हालिया नीतियों ने मांग में वृद्धि की है और बाजरा को निम्न गुणवत्ता से सामान्य वस्तु में बदलना दिलचस्प है क्योंकि लोगों ने अपनी आय में वृद्धि के साथ अधिक बाजरा खाना शुरू कर दिया है। किफायती विकल्प राष्ट्रीय कृषि नीति 2000 ने खाद्य सुरक्षा मुद्दे से निपटने के लिए भोजन की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए कृषि उपज और उत्पादन में वृद्धि को प्राथमिकता दी। एकीकृत अनाज विकास कार्यक्रम (आईसीडीपी), एक केंद्र प्रायोजित योजना, गेहूं और चावल के उत्पादन में वृद्धि के साथ–साथ बाजरा के लिए लागू की गई थी। खेती योग्य क्षेत्र, उत्पादकता और उत्पादन बढ़ाने के लिए, भारत सरकार ने 2011–12 में गहन बाजरा संवर्धन पहल (आईएनएसआईएमपी) की शुरुआत की और बाद में 2015 में इसे एनएफएसएम–मोटे अनाज में बदल दिया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013, जिसमें चावल और गेहूं के अलावा मोटे अनाज के लिए सब्सिडी शामिल है, एक साल से भी कम समय में 2013 में लागू हुआ। केंद्र ने पोषण सुरक्षा के लिए बाजरा को बढ़ावा देने के लिए 2018 को श्राष्ट्रीय बाजरा वर्षश के रूप में घोषित किया। भारत के प्रस्ताव के बाद खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा वर्ष 2023 को श्अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्षश घोषित किया गया था और कहा गया था कि ष्जैसा कि वैश्विक कृषि खाद्य प्रणालियों को लगातार बढ़ती वैश्विक आबादी को खिलाने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, बाजरा जैसे लचीले अनाज एक किफायती विकल्प प्रदान करते हैं। और इनकी खेती को बढ़ावा देने के लिए पौष्टिक विकल्प और प्रयासों को बढ़ाने की जरूरत है। बाजरा उत्पादन टिकाऊ कृषि, पर्यावरणीय लचीलापन सुनिश्चित कर सकता है और पोषण में सुधार कर सकता है। गरीबी, कुपोषण ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2023 में भारत को 125 देशों में से 111वें स्थान पर बहुत खराब स्थान दिया गया। चूंकि बाजरा प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, आहार फाइबर, सूक्ष्म पोषक तत्वों और न्यूट्रास्युटिकल गुणों वाले फाइटोकेमिकल्स से समृद्ध है, इसलिए यह कुपोषण और भूख से निपटने का एक अच्छा तरीका हो सकता है। कई अध्ययनों से पता चला है कि बाजरा पोषण की दृष्टि से चावल और गेहूं के मुख्य खाद्य पदार्थों से बेहतर है, और चावल जैसे पारंपरिक खाद्य पदार्थों की तुलना में रागी में कैल्शियम की मात्रा दस गुना अधिक है। इसके अलावा, इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) भी कम होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को कम करता है। लिपिड प्रोफाइल पर बाजरा आहार के प्रभाव पर एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि यह हाइपरलिपिडिमिया को कम करता है और उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाता है। नियमित खाने की आदतों को बदले बिना, दैनिक बाजरा सेवन से रक्तचाप और बॉडी मास इंडेक्स में काफी कमी आई। भारत में अल्पपोषण की समस्या से निपटने में बाजरे की खपत का व्यापक प्रभाव निर्विवाद है। अल्पपोषण किसी व्यक्ति के स्वस्थ जीवन जीने के लिए पोषक तत्वों की अपर्याप्त खपत को इंगित करता है। पर्याप्त गेहूं और चावल का सेवन आपको स्वस्थ नहीं रखेगा क्योंकि दक्षिण एशिया और भारत में एक महत्वपूर्ण श्छिपी हुई भूखश है। वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट 2023 में कहा गया है कि दुनिया भर में कुपोषित लोगों की संख्या 2021 में बढ़कर 768 मिलियन हो गई, जो 2014 में अनुमानित 572 मिलियन से 34.2ः अधिक है। इससे निपटने के लिए विविध आहार की आवश्यकता है। आय में वृद्धि बजट 2023–24 के दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया के शीर्ष उत्पादकों में से एक है और बाजरा का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। भारतीय बाजरा के लिए महत्वपूर्ण वैश्विक बाजार खोलने का मौका है क्योंकि भारत विपणन में अग्रणी है। भारत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजरा की मांग बढ़ाना चाहता है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, 2020 में 30.464 मिलियन टन में से भारत की हिस्सेदारी 12.49 मिलियन टन थी। प्रमुख बाजरा उत्पादक राज्य महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, हरियाणा, गुजरात, तमिलनाडु हैं। , आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड। 2020–21 के दौरान, इन दस राज्यों ने मिलकर भारत में बाजरा उत्पादन का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा लिया। इनमें से छह राज्य राजस्थान, कर्नाटक, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और गुजरात की उत्पादन में हिस्सेदारी 83 प्रतिशत से अधिक है। इसके अलावा, समानांतर रूप से, यह आसानी से देखा जा सकता है कि पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से 2018 को श्बाजरा के लिए राष्ट्रीय वर्षश घोषित किए जाने के बाद, बाजरा के मात्रात्मक निर्यात में वृद्धि हुई है। 2018–19 में, भारत ने दुनिया को 77.93 मिलियन डॉलर मूल्य का बाजरा निर्यात किया। 2019–20, 2020–21 और 2021–22 में, कोविड के कारण यह घटकर क्रमशः +59.41 मिलियन, +58.81 मिलियन और +62.95 मिलियन हो गया।

शांति प्राप्त करने की आशा में युद्धों में सहायता करना

आसिफ

दुनिया भर में युद्ध जैसे गतिरोध ा के बीच अमेरिका के प्रमुख रणनीतिक हित के तीन क्षेत्र हैं– यूक्रेन–रूस, इजराइल–ईरान और चीन–ताइवान। क्षेत्रीय सैन्य गतिविधियों में सहयोगियों का समर्थन करना हमेशा अमेरिका के लिए जोखिम होता है। यदि वह समर्थन प्रत्याशित से अधिक लंबे समय के लिए समाप्त होता है, तो बैंकरोलिंग भी अमेरिका की जिम्मेदारी बन जाती है। राष्ट्रपति जो बिडेन प्राथमिकता के क्रम में अपने सहयोगियों यूक्रेन, इजराइल और ताइवान की सुरक्षा को पूरा करने के लिए पर्याप्त धन के प्रावधान के लिए वित्तीय सहायता के लिए विधायी समर्थन हासिल करने के लिए एक साल से प्रयास कर रहे हैं। वैचारिक रूप से, बिडेन गतिज क्षेत्र में समर्थन के बारे में अपरिहार्य आलोचना को दूर करने के लिए मानवीय समर्थन के प्रदर्शन के साथ इसे संतुलित करना चाहते थे। रिपब्लिकन विपक्ष एक साल से अधिक समय से राष्ट्रपति की मांग कर रहा है, लेकिन आखिरकार उसने विधेयक को कानून में पारित करने में मदद की है। विडंबना यह है कि यह तब हो रहा है जब अमेरिका में गाजा में इजरायली कार्रवाई को लेकर परिसरों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। कुल 95 बिलियन डॉलर के पैकेज में यूक्रेन के लिए 61 बिलियन डॉलर, इजराइल के लिए 26 बिलियन डॉलर और ताइवान के लिए 8 बिलियन डॉलर शामिल हैं। यह एक बड़ा पैकेज है जो विशेष रूप से यूक्रेन और इजराइल की क्षमता पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है। कानून निर्माताओं द्वारा लंबे समय से प्रतीक्षित मंजूरी के कारण सब कुछ तैयार होने के साथ, हथियार पैकेज तुरंत यूक्रेन में पहुंचाए जा सकते हैं, जहां स्थिति स्पष्ट रूप से बहुत नाजुक है। विधेयक के पारित होने से अपने सहयोगियों के प्रति अमेरिका की वफादारी, प्रतिबद्धता की भावना से संबंधित मनोवैज्ञानिक संदेश की व्यापक गुंजाइश है कि वह उनसे मुंह नहीं मोड़ेगा। यदि गतिज युद्ध जारी रखना है तो यूक्रेन मोर्चा वह मोर्चा है जिसमें सबसे तेजी से सैन्य संसाधनों की आवश्यकता है। युद्ध की स्थिति का संक्षिप्त विश्लेषण आवश्यक है। पिछले दो वर्षों में, दोनों पक्षों के संसाधनों में काफी हद तक, न्यूनतम स्तर तक, गिरावट आई है। द्वितीय विश्व युद्ध में, देशों ने युद्ध की जरूरतों को पूरा करने के लिए आपातकाल की घोषणा की। फैक्टरियाँ बढ़ गईं, संसाधनों की राशनिंग कर दी गई और विलासिता की वस्तुओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया। यूरोप में उस प्रकार की तत्परता नहीं देखी जा रही है। गोला–बारूद जैसा संसाधन लगभग खप्त्म हो गया था और एक समय में इसे पाकिस्तान से हवाई मार्ग से लाना पड़ा (इसकी कीमत लगभग +600 मिलियन थी)। यूरोप की विभिन्न सरकारों के बीच युद्ध को लेकर उत्साह के साथ सापेक्ष अनिच्छा का मिश्रण है। इस युद्ध के बारे में दिलचस्प बात यह है कि किसी को भी यह स्पष्ट पता नहीं है कि कौन जीत रहा है और अंततः कौन जीत सकता है। व्लादिमीर पुतिन का रूस उस आत्मविश्वास को बरकरार रखता है जो उसके राष्ट्रपति प्रदर्शित करते हैं और निर्लज्ज नियमितता के साथ धमकियां देते हैं। युद्ध लड़ने के लिए मानव और भौतिक संसाधन आसानी से नहीं मिल रहे हैं। इसे उत्तर कोरिया, ईरान और बेलारूस से भौतिक सैन्य समर्थन मिल रहा है, इनमें से कोई भी ऐसा नहीं है कि इसके उपयोग से परिवर्तनकारी साबित हो सके। चीन, जिसने इस दौरान मनोवैज्ञानिक समर्थन का तत्व प्रदर्शित किया है, ने समर्थन देने के लिए शायद ही अपने सैन्य गोदाम खोले हैं। विश्लेषकों का मानना है कि चीन स्पष्ट है कि यदि चीनी उपकरणों का उपयोग करते समय रूसी हार जाते हैं या गतिरोध में पड़ जाते हैं, तो यह उनके हथियार उद्योग के लिए वित्तीय और रणनीतिक हाराकिरी होगी। वे अपना सैन्य समर्थन बढ़ाने से पहले रूस द्वारा किसी प्रकार की सफलता की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हालाँकि, रसद और राजनीतिक समर्थन हमेशा उपलब्ध रहा है। कई विश्लेषकों का मानना है कि चीन अपने कई उद्योगों के खिलाफ अमेरिका और कुछ नाटो देशों द्वारा रूस की तर्ज पर संभावित प्रतिबंधों से डर गया है।

माओवाद या मोडिज्म - व्यक्तित्व पंथ के खतरे

आदित्य

स्पष्ट रूप से फर्जी आरोपों पर शहरी माओवादियों की गिरफ्तारी पर आक्रोश मुझे याद दिलाता है कि कट्टरपंथी ठाठ के उस महान प्रिय – अध्यक्ष माओत्से तुंग – ने गुरिल्लाओं के बारे में क्या सोचा था। हम भ्रमित हो सकते हैं, लेकिन माओ स्पष्ट थे कि वह उनके बारे में क्या सोचते हैं। उन्होंने लिखा "क्रांति कोई डिनर पार्टी, या निबंध लिखना, या चित्र बनाना, या कढ़ाई करना नहीं हैय यह इतना परिष्कृत, इतना इत्मीनान और सौम्य, इतना संयमी, दयालु, विनम्र, संयमित और उदार नहीं हो सकता। क्रांति एक विद्रोह है, हिंसा का एक कार्य है जिसके द्वारा एक वर्ग दूसरे को उखाड़ फेंकता है। वहीं दूसरी ओर। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र के जंगलों में संघर्ष कर रहे नक्सली कैडर असली माओवादी हैं, भले ही वे उनके प्रेरणास्रोत की तरह गुमराह हों। वह माओ नहीं थे जिन्होंने वास्तव में चीन को बदल दिया, बल्कि वह डेंग जियाओपिंग थे। माओ ने महँगे प्रयोगों से चीन के विकास को पीछे धकेल दिया था। यह अनुमान लगाया गया है कि ग्रेट लीप फॉरवर्ड में अकेले 20–45 मिलियन लोगों की जान चली गई और यह उसे इतिहास का सबसे बड़ा सामूहिक हत्यारा बनने के योग्य बनाता है। ऐसा नहीं था कि हिटलर या स्टालिन की तरह माओ ने जानबूझकर लोगों को सामूहिक नरसंहार की निंदा की थी। लेकिन यह पूरी तरह से उनकी मूर्खतापूर्ण नीतियों के कारण था, जिन्हें लागू नहीं किया जा सका था, अगर उन्होंने चापलूसी और सामूहिक पूजा उन्माद को बढ़ावा दिया। नोटबंदी और कोविड–19 महामारी के प्रबंधन में विफलता के स्पष्ट सबूतों के बावजूद भाजपा और आरएसएस के प्रवक्ताओं और शीर्ष नेताओं द्वारा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करना 1959–62 के ग्रेट लीप फॉरवर्ड वर्षों के दौरान चीन में जो हुआ उसकी याद दिलाता है। अपने वरिष्ठों का पक्ष जीतने और बेदखल होने से बचने के प्रयास में, पार्टी पदानुक्रम में प्रत्येक परत ने अपने अधीन उत्पादित अनाज की मात्रा को बढ़ा–चढ़ाकर बताया। मनगढ़ंत सफलता के आधार पर, पार्टी कैडरों को राज्य के उपयोग के लिए, मुख्य रूप से शहरों और शहरी क्षेत्रों में उपयोग के लिए, बल्कि निर्यात के लिए उस काल्पनिक फसल की अनुपातहीन रूप से उच्च मात्रा की मांग करने का आदेश दिया गया था। परिणाम, कुछ क्षेत्रों में सूखे से और कुछ क्षेत्रों में बाढ़ से, यह हुआ कि ग्रामीण किसानों के पास अपने लिए बहुत कम भोजन रह गया और महान चीनी अकाल के नाम से जाने जाने वाले सबसे बड़े अकाल में कई लाखों लोग भूख से मर गए। झूठी प्रशंसा का अंतर्निहित खतरा व्यक्तित्व पंथ है। माओ एक ऐसे सम्राट बन गए थे जो कम्युनिस्ट पार्टी पर युद्ध करने की धमकी भी दे सकते थे, जैसा कि उन्होंने 1962 में किया था जब पार्टी नेतृत्व ने तथाकथित ग्रेट लीप फॉरवर्ड के विनाशकारी परिणामों की आलोचना की थी। 1959 में, जब प्रसिद्ध मार्शल पेंग देहुई, जो उस समय चीन के रक्षा मंत्री थे, ने माओ को एक निजी पत्र में इसकी आलोचना की, तो उन्हें बेरहमी से निष्कासित कर दिया गया, और 1974 में उनकी मृत्यु तक जेल में रखा गया। पूर्व अध्यक्ष लियू शाओकी का प्रदर्शन और भी बुरा था। यहां तक कि राज्य के प्रमुख के रूप में भी उन्हें रेड गार्ड्स की भीड़ ने झोंगनानहाई में उनके आवास से बाहर खींच लिया, पीटा और उनके कपड़े उतार दिए, जबकि पीएलए गैरीसन सैनिक देखते रहे। लियू की भी जेल में मौत हो गई. माओ का आतंक स्टालिन से कम मनमाना और मनमौजी नहीं था। माओ चीनी इतिहास के उत्सुक छात्र थे और अक्सर कहा करते थे ष्वर्तमान की सेवा के लिए हमें अतीत से सीखना होगा। माओ की राजनीति में नैतिकता का कोई स्थान नहीं था, यह इस बात से स्पष्ट था कि जिन सम्राटों की वह सबसे अधिक प्रशंसा करते थे, वे चीन पर शासन करने वाले अत्याचारियों की लंबी कतार में सबसे क्रूर और क्रूर थे। माओ जिस शासक की सबसे अधिक प्रशंसा करते थे, वह सम्राट किन शिहुआंगडी (221–206 ईसा पूर्व) थे, जिन्होंने शाही चीन की स्थापना की जो लगभग 2,000 वर्षों तक चली।

उन्होंने छोटे राष्ट्रों को समाहित करके चीन का भी व्यापक विस्तार किया। उन्होंने सड़कों का निर्माण किया, वजन और माप की शुरुआत की और महान दीवार का निर्माण किया जो अभी भी खड़ी है। उसने लाखों नहीं तो हजारों लोगों की

हत्या की और उन पर अत्याचार किया। चीनी भी उसे एक क्रूर अत्याचारी मानते थे क्योंकि उसने कन्फ्यूशियस विद्वानों की हत्या कर दी थी और शास्त्रीय पुस्तकें जला दी थीं। लेकिन माओ ने इन सभी छोटी–मोटी गड़बड़ियों पर विचार किया और तर्क दिया कि अच्छाई बुरे से अधिक महत्वपूर्ण है। यह बिल्कुल माओ का रवैया था जब चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) ने उन्हें बताया कि 1959–61 के बीच पीपुल्स कम्यून्स के जबरन गठन के बाद हुए अकाल में कम से कम दस मिलियन लोग मारे गए थे। लेकिन माओ किस तरह के व्यक्ति थे, इसकी एक असाधारण झलक हमें उनके लंबे समय से निजी चिकित्सक डॉ. झिसुई ली से मिलती है, जो 1976 में अपनी मृत्यु तक माओ के करीबी रहे थे। ली ने एक अनोखी बात लिखी है। ऐतिहासिक और राजनीतिक जीवनी. यह मानवीय कमजोरी और क्षुद्रता की एक आश्चर्यजनक कहानी है, साथ ही अध्यक्ष के दरबार में बड़ी राजनीतिक साजिश की भी।

भारत एवं कनाडा के रिश्ते खतरनाक मोड़ पर

ललित

कनाडा में रविवार को वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मौजूदगी में खालसा दिवस समारोह के दौरान खालिस्तान समर्थक नारे लगाए जाने के बाद भारत सरकार जो सख्ती दिखाई है, वह आवश्यक एवं समयोचित कदम है। इस घटना पर भारत का चिंतित होना एवं कनाडा को चेताया जाना स्वाभाविक है। विदेश मंत्रालय में कनाडा के उप–उच्चायुक्त को तलब कर इस मामले में गहरी आपत्ति जताई गई है। कनाडा सरकार ने अपने राजनीतिक हितों के लिये अनेक बार भारत विरोधी घटनाओं में संदेहास्पद एवं विवादास्पद भूमिका का निर्वाह करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की मर्यादाओं को धुंधलाया है। कनाडा की धरती से खालिस्तानी समर्थक अलगाववाद, कट्टरपंथ और हिंसा को बढ़ावा दिया जाता रहा है। इस तरह की घटनाओं से कनाडा में अपराध का माहौल बना हुआ है। इससे कनाडा के नागरिकों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। जिससे भारत में भी स्थितियां संकटपूर्ण बनी है। पिछले साल खुद ट्रूडो ने सार्वजनिक रूप से निज्जर हत्याकांड में भारत के शामिल होने का निराधार आरोप लगाया था। भारत के मांगने के बाद भी आज तक उनकी सरकार इस आरोप के पक्ष में कोई सबूत नहीं दे पाई है। जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाकर दोनों देशों के बीच विवाद खड़ा कर दिया था। भारत ने आरोप को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद से कनाडा और भारत के संबंधों में खटास आ गई और दोनों देशों के रिश्ते सुधरने की बजाय खतरनाक मोड़ पर पहुंच गये हैं। रविवार के खालसा दिवस समारोह में न केवल खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए बल्कि ऐसे बैनर प्रदर्शित किए गए, जिनमें भारत–विरोध के त्रासद एवं राष्ट्र–विरोध के भ्रामक, झूठे एवं बेबुनियाद आरोप थे। अफसोस और चिंता की बात यह रही कि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने तो इन सब भारत–विरोधी घटनाओं को रोकने की या इन्हें गलत बताने की कोई कोशिश की। इस पूरे मामले में ट्रूडो का व्यवहार आपत्तिजनक बना, दो देशों के बीच खटास घोलने वाला एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का रहा। जिसे दोनों देशों के राजनयिक पैमाने पर उचित नहीं कहा जा सकता। इस तरह कनाडा अपने देश की राजनीतिक जरूरतों के चलते भारत के साथ अपने रिश्ते इस मोड़ पर ले आया हैं, जहां उनके बीच विश्वास, भरोसे, आपसी सहयोग और संवाद की कमी है, तो यह अकारण नहीं है। भले ही लगभग आठ लाख कनाडाई सिखों की वहां की राजनीति में सक्रिय भागीदार हैं। सिख समुदाय की जरूरतों एवं उनके शांतिपूर्ण जीवन के लिये कनाडा सरकार की प्रतिबद्धता में कोई आपत्ति नहीं हैं। सिख समुदाय के मौलिक अधिकारों व स्वतंत्रता की रक्षा करने के वायदे यदि वहां की सरकार करती है तो अच्छी बात है। भले ही कनाडा सरकार सिखों के सामुदायिक केंद्रों, गुरुद्वारा समेत पूजास्थलों की सुरक्षा को और मजबूत करने के साथ भारत एवं कनाडा के बीच उड़ानें और रूट बढ़ाने को लेकर भारत के साथ नए समझौते करें, लेकिन इन स्थितियों के बीच खालिस्तानी अलगाववाद को प्रोत्साहन देना भारत के लिये असहनीय है। भारत बार–बार इस बात को दोहरा रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इस तरह अलगाववादी और अतिवादी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देना न केवल दोनों देशों के रिश्तों के लिए बल्कि खुद कनाडा के लिए भी खतरनाक है। भारत जिस तरह से लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद को झेला है, कनाडा में इन तत्वों को प्रोत्साहन देकर कनाडा आतंकवादी गतिविधियों का केन्द्र बन सकता है, जो उसके लिए नुकसानदेह ही साबित होने वाला है। निश्चित ही कनाडा में खालिस्तानी आतंकी फल–फूल रहे हैं। खालिस्तानी न केवल भारतीय राजनयिकों को धमका रहे हैं बल्कि हिंदू मंदिरों को भी निशाना बना रहे हैं। कनाडा की धरती पर हर किस्म के खालिस्तानी चरमपंथी ही नहीं पल रहे हैं बल्कि वहां भारत से भागे गैंगस्टर और नशे के तस्कर भी शरण पा रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार परिषद में भारत ने कनाडा को जो खरी–खोटी सुनाई, वह इसलिए आवश्यक थी, क्योंकि वहां की ट्रूडो सरकार अपने भारत विरोधी रवैये से बाज नहीं आ रही है। वह जिस तरह खालिस्तानी अतिवादियों को संरक्षण दे रही है, उसकी मिसाल यदि कहीं और मिलती है तो वह पाकिस्तान में। कनाडा अपने भारत विरोधी रवैये के कारण पाकिस्तान सरीखा बनता जा रहा है। कनाडा अपने हितैषी एवं पडोसी देशों से दूरियां बना रहा है। खालिस्तान समर्थन एवं प्रोत्साहन के चलते कनाडा में फिलहाल कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। अपने देश के साथ दुनियाभर में वह आलोचकों के निशाने पर हैं। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों पर नियंत्रण रखने में कथित नाकामी के चलते ट्रूडो को अनेक अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इसी के चलते जी–20 बैठक में उन्हें भारत और सदस्य देशों का 'ठंडा' रिस्पांस मिला। भारत में खास अहमियत नहीं मिलने से खिसियाए ट्रूडो को कनाडा के मीडिया ने भी आड़े हाथ लिया है। ट्रूडो सरकार पर भारत के साथ रिश्तों को नुकसान पहुंचाने और व्यापार वार्ता के बारे में अंधेरे में रखने के आरोप भी लगे हैं। घरेलू राजनीतिक हितों के लिए ट्रूडो भारत के साथ लड़ाई मोल लेकर अपने देश का भारी आर्थिक नुकसान कर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि भारत अब दुनिया की एक आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। कनाडाई में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात और व्यापार में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है और दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव का असर यहां की इकोनॉमी पर पड़ रहा है। भारत की नाराजगी बेवजह नहीं है, क्योंकि कनाडा भारत के विरोध में लगातार सक्रिय हैं, कनाडा ने ही किसानों के आंदोलन के समर्थन में अतिश्योक्तिपूर्ण सहयोग होने दिया। जबकि दोनों देशों के संबंधों में प्रगति के लिए एक–दूसरे के प्रति सम्मान का भाव और आपसी भरोसा रहना जरूरी है। खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठे थे। लेकिन अमेरिका ने इस मसले पर सार्वजनिक बयानबाजी करने के बजाय भारत सरकार से सीधी बातचीत की। भारत ने भी अमेरिकी सरकार की ओर से मुहैया कराए गए सबूतों को गंभीरता से लिया। इस मामले में एक उच्चस्तरीय जांच शुरू हुई।

मैं एक महिला हूँ और महिलाओं की आवाज बनूँगी - प्रिया सरोज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी की 74 लोकसभा सीट से उम्मीदवार प्रिया सरोज ने गुरुवार को अपने लाव लश्कर के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में पहुँच कर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के दौरान उनके पिता पूर्व सांसद तुफानी सरोज व जिलाध्यक्ष राकेश यादव भी उनके साथ मौजूद रहे। उन्होंने महिलाओं के अधिकार की बात की। उनकी आवाज को संसद में उठाने और जरूरत पड़ने पर सुप्रीमकोर्ट तक जाने की बात कही। 74 मछलीशहर लोकसभा सीट से आज गुरुवार को सपा प्रत्यासी प्रिया सरोज ने अपना नामांकन दाखिल किया।नामांकन के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रिया ने कहा कि मैं एक महिला हूँ और महिलाओं की आवाज बनूँगी।मोदी जी महिलाओ की हक की सिर्फ बात करते है लेकिन करते कुछ नही है।महिलाओ की समस्याओं को संसद तक में उठाउंगी।अगर वहां भी न सुनी गई तो मैं खुद सुप्रीमकोर्ट की वकील हूँ वहां तक उनकी बात उठाउंगी।बोली मेरे पिता के द्वारा सांसद के तौर पर किए गए कार्यो का मुझे फायदा मिल रहा है। जीतने के बाद हम सबसे पहले अग्निवीर को समाप्त करेंगे पुरानी पेंशन बहाल करेंगे जो गरीब महिलाएं हैं उनको 3000 पेंशन देंगे गेहूं की जगह आटा देंगे जो फ्लावर जिसके कारण बच्चों को समस्या होती है उसको सही करवाएंगे महिलाओं की समस्या को प्रमुखता से संसद में उठाएंगे वही

नहर में औंधे मुंह पड़ा युवक का शव देख सनसनी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। खुटहन थाना अंतर्गत नगवां गांव के नहर पुलिया के पास गुरुवार को पानी में उगी घास फूस में फंसा युवक का शवद देख सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव पानी से बाहर निकलवाया। घंटों प्रयास के बाद भी उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के बाद पीएम हेतु भेज दिया।

गांव के नहर पुलिया के पास कुछ चरवाहे बकरियां चरा रहे थे। तभी उनकी नजर पानी में उगी घास फूस के बीच पड़े शव पर गयी। वे शोर मचाने लगे। मौके पर तमाम लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बाहर निकलवाया। शव को देख अनुमान लगाया जा रहा है कि घटना बुधवार की रात की रही होगी।

मृतक की उम्र लगभग 28 वर्ष आंकी जा रही है। वह काले रंग की पैंट और गाढ़ा नीला शर्ट पहने हुए है। दाएं हाथ में रक्षा बंधा हुआ है। उसके शरीर पर कहीं भी चोट के निशान नहीं दिखाई दिए। प्रभारी निरीक्षक संजय वर्मा ने बताया कि शव की शिनाख्त नहीं हो पा रही है। पहचान हेतु उसके कपड़े व अन्य सामान सुरक्षित रखा गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला स्पष्ट हो पायेगा।

रक्षा मंत्री भारत सरकार श्री राज नाथ सिंह के समर्थन में हुई सभा

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। जानकीपुरम गार्डन मे नुक्कड़ सभा (जानकीपुरम वार्ड द्वितीय) का आयोजन माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के समर्थन में सभा का आयोजन उत्तरी क्षेत्र के विधायक श्रीमान नीरज बोरा जी की अध्यक्षता में हुआ उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री नीरज बोरा जी द्वारा अभी तक किए गए विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा हम सभी अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर माननीय रक्षा मंत्री भारत सरकार श्री राजनाथ सिंह के समर्थन में मतदान करें और अधिक से अधिक मतो से उनको विजई बनाएं जैसा कि भारतीय जनता पार्टी का नारा है अबकी बार 400 पार उसी प्रकार लखनऊ का नारा है अबकी बार 5 लाख पार उक्त कार्यक्रम में माननीय बोरा जी की पत्नी एवं समाजसेविका बिंदु बोरा जी भी उपस्थित रही विधायक जी के साथ कार्य करने वाले लखनऊ महानगर कार्य समिति के सदस्य श्री सतीश वर्मा ,श्री राकेश पांडे जी मंडल अध्यक्ष , जानकीपुरम गार्डन के बहुत ही कर्मठ सैद्धांतिक व्यक्ति श्री शशि शेखर ओझा जी ,श्री संजय तिवारी जी महामंत्री , श्री सर्वेश सिंह वार्ड अध्यक्ष इत्यादि उपस्थित थे साथ ही जानकीपुरम गार्डन की के निवासी सपरिवार उक्त कार्यक्रम में उपस्थित रहे नीरज बोरा जी द्वारा जानकी विश्वनाथ मंदिर में जाकर पूजा अर्चना भी की गई।

पट्टीदारों में जमीनी विवाद में जमकर चले लाठी डंडे

दो की उपचार के दौरान मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के पल्टूपुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पट्टीदारों में गुरुवार की सुबह मारपीट हो जाने से लगी चोट में इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

पल्टूपुर गांव में दशरथ यादव एवं शेषनाथ यादव के बीच पट्टे की जमीन को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा था। गुरुवार की सुबह दशरथ यादव अपनी पट्टे की जमीन पर मढ़हा रख रहे थे कि शेषनाथ यादव अपनी जमीन बताकर रोकना शुरू किया और देखते ही देखते लाठी डंडों एवं लोहे की राड से जमकर मारपीट हो गई। मारपीट में दशरथ यादव 60 वर्ष उनका भाई सुभाष यादव 40 वर्ष, भरत लाल यादव 44 वर्ष पुत्रगण पारसनाथ यादव एवं सुनील यादव पुत्र दशरथ यादव 23 वर्ष, अमित यादव पुत्र भरत लाल यादव 13 वर्ष घायल हो गए। सभी घायलों को उठाकर दो घंटे बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरसठी इलाज के लिए ले जाया गया जहां पर सुभाष यादव एवं दशरथ यादव को गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। थोड़ी देर बाद सुनील यादव को भी एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया।जहां इलाज के दौरन सुभाष यादव एवं दशरथ यादव की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची बरसठी पुलिस मामले की जानकारी करने में जुटी हुई है। मृतक दशरथ यादव मड़ियाहू तहसील में नायब तहसीलदार का मुंशी था। इस मामले में गुरुवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बरसठी थाना क्षेत्र की पलटू पुर गांव में दो पट्टीदारों में जमीनी विवाद का मामला है इस मामले में आज सुबह शेषनाथ यादव का परिवार दशरथ यादव को उनके परिवार पर हमला कर दिया इस दौरान लाठी डंडे से जमकर मारपीट हुई है जिसमें उपचार के दौरान दशरथ यादव और उसके भाई सुभाष यादव की इलाज के दौरान मौत हो गई है इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है

अभी तक तहरीर नहीं प्राप्त है शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना की जानकारी मिलती है मौके पर पुलिस अधीक्षक डॉअजय पाल शर्मा अपने मातहतो के साथ पहुंचकर मौका मोअइना किया।

गोयल महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत छात्रों ने ली जागरूकता शपथ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। शासन द्वारा संचालित सड़क सुरक्षा पखवाड़ा (२२ अप्रेल से ०४ मई २०२४) के अंतर्गत गोयल इंस्टिट्यूट ऑफ हायर स्टडीज महाविद्यालय, अयोध्या रोड लखनऊ में सड़क सुरक्षा जागरूकता के महत्त्व को दर्शाते हुए दिनांक ०२ मई २०२४ को महाविद्यालय परिसर में छात्रों को सड़क सुरक्षा की शपथ ग्रहण कराई गयी। इसी श्रृंखला में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष पाण्डे ने सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के बारे में छात्रों को विस्तृत जानकारी दी जिसमें वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया। अभियान के तहत महाविद्यालय में गठित रोड सेफ्टी क्लब के मास्टर ट्रेनर निर्मल कुमार ने छात्रों को सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न प्रश्नो के माध्यम से छात्रों को अवगत कराया और साथ ही जानकारी दी की सुरक्षा परखवाडा के क्रम में २२ अप्रैल २०२४ को निबंध लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित करी गई। छात्रों ने अपने उत्कृष्ट लेखन के माध्यम से इस जागरूकता अभियान को और सफल बनाया। इस दौरान महाविद्यालय के छात्रों के साथ सभी शिक्षकों ने सहभागिता दिखायी।

फर्जी शिक्षकों को नियुक्ति देने वाले दो लिपिक निलंबित, डीआईओएस पर अनुशासनात्मक कार्रवाई

प्रयागराज, संवाददाता। कानपुर के अलग–अलग विद्यालयों में दो महिलाओं को फर्जी नियुक्ति पत्र के आधार पर तैनाती देने वाले जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में तैनात दो लिपिकों को निलंबित कर दिया गया है। इन लिपिकों की लापरवाही से केवल नियुक्ति ही नहीं, एक नकली शिक्षक का वेतन भी जारी कर दिया गया था। निलंबन के बाद लिपिकों को डीआइओएस कार्यालय से हटा दिया गया। साथ ही तत्कालीन जिला विद्यालय निरीक्षक और लेखाधिकारी पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति की गई है। प्रवक्ता और सहायक अध्यापक भर्ती– 2021 की प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को रिक्त पदों के सापेक्ष चयन के लिए जुलाई से सितंबर– 2023 तक शिक्षा निदेशालय में काउंसलिंग हुई थी। काउंसलिंग के बाद चयनितों को कॉलेज आवंटित कर दिया गया। उसी दौरान 18 अक्तूबर 2023 को अपर निदेशक माध्यमिक शिक्षा के फर्जी ई–मेल कउंकीलउपा06/हउंपस.बवउ से डीआईओएस कानपुर के ई –मेल पर सात सहायक अध्यापक और दो प्रवक्ताओं की तैनाती के लिए नियुक्ति पत्र भेजा गया। इसमें अपर निदेशक (माध्यमिक) के डिजिटल हस्ताक्षर थे।

एक ही पत्र में सभी की नियुक्ति का निर्देश था। ई–मेल मिलने के बाद डीआईओएस कार्यालय में तैनात प्रधान लिपिक राजन टंडन और वरिष्ठ लिपिक सुनील कुमार ने बिना सत्यापन के ही उनकी नियुक्ति कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी। कॉलेजों को नियुक्ति के लिए पत्र लिख दिया। इसके बाद मिर्जापुर के नया शिवम बस्ती महुअरिया निवासी धर्मदेव सिंह की बेटी विनीता देवी को सहायक अध्यापक सामाजिक विज्ञान के पद पर मदन मोहन अग्रवाल इंटर कॉलेज कानपुर में नियुक्ति मिल गई। वहीं, वाराणसी के कोइली ढढोरपुर निवासी श्याम कार्तिक पांडेय की पुत्री रिक्षा पांडेय को प्रवक्ता नागरिक शास्त्र के पद पर आर्य कन्या इंटर कॉलेज में ज्वाइन करवा दिया गया।

यह दोनों नौकरी करने लगीं और रिक्षा को मार्च 2024 तक का वेतन भी जारी कर दिया गया। जबकि, विनीता को वेतन नहीं मिला था। अन्य सात लोगों को भी ज्वाइन करवाने का प्रयास किया गया, लेकिन प्रबंधन ने नहीं करवाया। अप्रैल में इनके प्रमाण पत्रों की जांच हुई तो पता चला कि सभी फर्जी हैं। उनको निदेशालय से कोई नियुक्ति पत्र नहीं भेजा गया था। शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव के निर्देश पर नौ फर्जी शिक्षकों के खिलाफ सोमवार को कानपुर के कर्नलगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। वहीं, सुनील कुमार को निलंबित करके जीआइसी और राजन पांडेय को डायट में संबद्ध किया गया है। लिपिकों ने ई–मेल पर नियुक्ति पत्र मिलने के बाद सत्यापन नहीं किया। जिस ई–मेल से पत्र गया, वह फर्जी था। प्रतीक्षा सूची से जिनका चयन हुआ था, उन सभी के दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध थे। व्यवस्था पारदर्शी रहे, इसलिए सबकुछ वेवसाइट पर दिया था। फिर भी लिपिकों ने बिना सत्यापन के ही नियुक्ति दे दी। तत्कालीन डीआईओएस मुन्नी लाल और लेखाकार के खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। – सुरेंद्र तिवारी, अपर निदेशक माध्यमिक शिक्षा, प्रयागराज

कहां के रहने वाले हैं फर्जी शिक्षक

सीतापुर के गांव देवीपुर सिधौली निवासी अरविंद यादव, प्रयागराज के बी–23 जूही कॉलोनी म्योर रोड निवासी स्वाति द्विवेदी, प्रयागराज के कौवा बरांव करछना निवासी विनय सिंह, मिर्जापुर के बभनैया टोला महुअरिया निवासी आशीष कुमार पांडेय, मिर्जापुर के नया शिवम बस्ती महुअरिया निवासी विनीता देवी, मुजफ्फरनगर के भेंडरा भंदूर निवासी नितिन कुमार, वाराणसी के कोइली ढढोरपुर निवासी रिक्षा पांडेय, मेरठ के मुल्ताननगर शेखपुरा निवासीस ज्योति यादव और मेरठ के आर–12 रामलीला ग्राउंड हस्तिनापुर की विनीता चौधरी शामिल हैं।

चुनावी कठिन डगर को आसान बनाने में जुटे सपाई

सुलतानपुर– सपा के लोकसभा चुनाव की कठिन डगर आसान तभी होगी,जब पूर्व विधायक अपनी साख को बचाने में कामयाब होंगे? पूर्व विधायकों के ष्प्रतिष्ठाष के बीचे छुपी चुनौती के आगे जीत का रास्ता दिखता है। इसलिए बिनु प्रत्याशी का मुंह देखे ही पूरी एनर्जी ऐसे नेता लगा दे रहे हैं, जिससे की सांप भी...जाए और लाठी भी न टूटे। यानी शीर्ष नेतृत्व के पास जब आमना–सामना हो तो शर्मिंदा न होना पड़े, अब तो ष्याले की फासष ...बन ही गया है। इसलिए परिणाम बदलने के लिए निकल पड़े हैं। वह भी तपती दोपहरिया में।पसीना सिर से नही....से चू रहा है, दिल है कि मानता नही की कवायद की जा रही है।लोकसभा चुनाव में सपा में नए बदलाव पर ष्अहमष को लेकर आपस मे छिड़ी जंग शांत हो गई। सपाईयों के स्तर से बिगाड़े गए माहौल को लोकसभा प्रभारी ने ष्कंट्रोलष कर लिया है। चुनावी चाल को बढ़ाने के लिए सपा की ओर से हर कोशिश की जा रही है। पर, कहीं न कहीं कुछ कमजोरी दिख रही है, जिसकी चर्चा सपाईयों के बीच चल रही है। इस दिक्कत का ष्ठिकराष उन नेताओं पर फोड़ा जा रहा है, जिनके कारण ऐसी ष्नौबतष आई। बना बनाया खेल बिगाड़ा नही तो बना भी नही है। बिगड़े खेल को संभालने के लिए साम, दाम, दंड, भेद की जरूरत भी है। पर, पहले चयन में जो गलतियां हुई,उससे ज्यादा बिनु परखे हाथ आगे बढ़ा दिए गए। जिसकी वजह से पैरवी किए नेता की मुश्किलें बढ़ गईं हैं।ष्मरता क्या न करता की नीतिष पर उतर आए आए हैं कि वर्तमान से ज्यादा भविष्य का भी सवाल है। अब अपनी ष्साखष को बचाने के लिए पार्टी प्रत्याशी की तरफ नही देखा जा रहा है।अपने पास से सारी व्यवस्थाएं मुकमल जी जा रही हैं। ऐसे सारे नेता क्षेत्र में डट कर चुनावी ष्कसरतष करने में जुटे हैं। जबकि बताया जा रहा है कि नामांकन वैध होने के बाद तो कोई कमी नही रहेगी। पर, तबतक बहुत देर हो चुकी होगी,क्योंकि तब चुनाव में चंद दिन ही बचे होंगे, तब क्या किया जा सकता है। ष्तब पछताए का होत हैं, जब चिड़िया चुग गई खेतष। इस मुहावरे को बदलने के लिए अब प्रत्याशी से ज्यादा चुनाव जीतने की ष्चुनौतीष टिकट दिलाने वाले नेताओं पर है। जिनकी ष्छिछवालेदारष...में हो रही है। अभी भी समय है, कुछ गड़बड़ नही हुआ है, सारी परिस्थितियां अभी पक्ष में है, बस दिल खोलकर चुनाव को लड़ लिया जाए?तो पार्टी की ष्हनकष भी बनेगी और पूर्व विधायक की ष्साखष पर ष्आंचष भी नही आएगी। पर इसमें थोड़ी सी भी कोताही की गई तो न काम बनेगा न ही पूर्व की साख ही बच पाएगी। ऐसा अनुभवी,तजुर्बेदार सपाईयों का मानना है। बकायदे बयां भी करते हैं कि सभी समीकरण पार्टी के पक्ष हैं। बशर्ते पूर्व विधायक अपने 2022 के पड़े श्मतश को रोकने में कामयाब हो जाएं तो निश्चित तौर पर चुनावी परिणाम चौकाने वाले हो सकते हैं, वरना.....।

'प्रत्याशी ने 16 दिन में मजबूती को समझा और परख भी'

टिकट मिले सपा प्रत्याशी को करीब 16 दिन बीतने को है। उम्मीदार ने जिले और पार्टी के नेताओं को समझ भी लिया और परख भी कर ली है कि कौन कितने ष्पानीष मे है, यानी धरातल पर किस की कितनी पकड़ है। भरोसे मंद सूत्र बताते हैं कि 16और 35 के अंतराल पर एक नेता का ष्पानीष भी उतार लिया गया। बताया जा रहा है कि चुनाव में धार आएगा। पर, नामांकन पत्र वैध होने के बाद। घटक दल के एक बड़े नेता जो बड़े पदाधिकारी बनाये गए हैं, अभी संशय की बात करते हैं कि ऊपर अभी मजबूती कम है। हरी झंडी मिले, देखते रहिए नामांकन के बाद तीन दिन में चुनाव चढ़ा दूंगा। ऐसा मंत्र है मेरे पास। फिलहाल सपा प्रत्याशी समझ और परख के क्षेत्र में डेट हुए हैं।

नामांकन के दौरान सपा उम्मीदवार द्वारा उड़ाई गई आचार संहिता की धज्जियां पुलिस ने कहा कार्रवाई की जाएगी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नामांकन कच्छ में नामांकन के चौथे दिन गुरुवार को मछलीशहर लोकसभा सुरक्षित सीट से उम्मीदवार प्रिया सरोज के नामांकन के दौरान जमकर आचार संहिता की धज्जियां उड़ाई गई। परिसर के अंदर ही कार्यकर्ताओं द्वारा जिंदाबाद के नारे लगाए गए। इस दौरान पुलिस मूक दर्शक बनी रही।इस मामले में जब पत्रकारों द्वारा पुलिस से बातचीत की जा रही थी कि इसी दौरान प्रिया सरोज के पिता व विधायक केराकत तूफानी सरोज के बीच पुलिस वालों से जमकर नोकझोंक हुई।

इस मामले में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर बृजेश कुमार ने बताया कि मछली शहर लोकसभा सुरक्षित से ही उम्मीदवार प्रिया सरोज नामांकन करने आई थी इस दौरान समर्थकों द्वारा जिंदाबाद के नारे लगाए गए हैं इस मामले में चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइडलाइंस के अनुसार लाइन बाजार थाने में मामला दर्ज कराया जाएगा पूरे मामले की जांच की जा रही है। वहीं पुलिस की कर शैली पर उन्होंने कहा कि पुलिस अपनी ड्यूटी से कर रही है सभी पॉइंट पर पुलिस कर्मियों को लगाया गया है।

आयुक्त विंध्याचल मंडल के द्वारा केंद्र प्रभारी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया

मृत्युंजय प्रताप सिंह पत्रकार

विंध्याचल मंडल के आयुक्त के द्वारा मीरजापुर जिले में सर्वाधिक गेंहू खरीद करने वाले केंद्र प्रभारियों को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ,जिसमे आज 2 मई को मंडलायुक्त विंध्याचल मण्डल ,मीरजापुर के द्वारा अप्रैल के तृतीय सप्ताह तक सर्वाधिक संचयी खघ्रीद और साप्ताहिक खरीद हेतु जनपद मीरजापुर के खाद्य विभाग और PCF केंद्र प्रभारियों को पुरस्कृत किया गया। दोनों श्रेणियों में सभी पुरस्कार मीरजापुर जनपद को प्राप्त हुए जिनमे प्रथम पुरस्कार नारायणजी दुबे केंद्र प्रभारी हलिया व रंजीत कुमार सिंह केंद्र प्रभारी साधन सहकारी समिति लालगंज को दिया गया, सम्मान समारोह कार्यक्रम में जिले के सभी संस्थाओं के जिला स्तरीय अधिकारी, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी मीरजापुर सम्मिलित हुए।

सिलिंडर लदे ट्रक से टकराई रोडवेज बस, दोनों वाहनों के उड़े परखच्चे

आजमगढ, संवाददाता। आजमगढ़ जिले के बरदह थाना क्षेत्र के सरायमोहन गांव के पास बुधवार को सिलेंडर लदे ट्रक व रोडवेज बस में आमने–सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में आठ लोग घायल हो गए। वहीं दोनों वाहन भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से घायलों को इलाज के लिए पीएचसी ठेकमा ले जाया गया। गनीमत रही कि किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई है।

यह है पूरा मामला

प्रयागराज जिले के जीरो रोड डिपो की बस बुधवार को सवारी लेकर आजमगढ़ होते हुए गोरखपुर जा रही थी। अभी बस बरदह थाना क्षेत्र के सरायमोहन बाजार में पहुंची थी। जिस लेन से बस को जाना था उस लेन पर एक पार्टी प्रत्याशी का नामांकन जुलूस निकला हुआ था। जिससे रास्ता जाम था। इस पर बस चालक ने बस को दूसरी लेन पर ले जाकर निकालने लगा। इसी दौरान आजमगढ़ की तरफ से आ रहे सिलेंडर लदे ट्रक से बस की आमने–सामने की टक्कर हो गई।

ये लोग हुए घायल

हादसे में बस में सवार त्रिभुवन (65) निवासी दरियापुर बसही थाना बरदह, इस्तेयाक अहमद (29) निवासी मछली शहर जिला जौनपुर, महेंद्र कुमार (41) निवासी राजस्थान, आशीष (32) निवासी जौनपुर, सितारा (41) निवासिनी जौनपुर, मीना (30) निवासिनी मऊ, संध्या (25) निवासिनी बीबीपुर आजमगढ़, मनोज यादव (45) बस परिचालक घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस व स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल बस से बाहर निकाला और एंबुलेंस बुलाकर उन्हें इलाज के लिए पीएचसी ठेकमा भेजा। जहां सभी को प्राथमिक इलाज उपलब्ध कराया गया। सभी मरहम–पट्टी आदि के बाद अपने गंतव्य को रवाना हो गए। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को अपनी कस्टडी में ले लिया है।

ओमप्रकाश राजभर के सुरक्षाकर्मी ने की अभद्रता, पीड़ित व्यक्ति पहुंचा थाने लगाई गुहार

मऊ, संवाददाता। मऊ में सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर एक बार फिर से चर्चा में हैं। इस बार यह चर्चा उनके बयान को लेकर नहीं बल्कि जिले के सरवा निवासी एक व्यक्ति द्वारा लगाया गया आरोप है। इस मामले में पीड़ित ने सरायलखंसी थाने में बकायदा तहरीर दी है। उधर, इस मामले में जिले के पुलिस अधिकारी मामला संज्ञान में न होने की बात कह रहे हैं। पुलिस को सौंपी तहरीर के अनुसार, सराय लंखसी थाना क्षेत्र के सरवा निवासी पदमेश तिवारी ने बताया ।

अतीक –अशरफ हत्याकांड के शूटरों पर आरोप तय, कल से ट्रायल शुरू

प्रयागराज, संवाददाता। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को गोलियों से छलनी करने के आरोपी शूटर अरुण मौर्या, सनी सिंह और लवलेश तिवारी के खिलाफ जिला अदालत में आरोप तय हो गया है। दो मई से मामले का ट्रायल शुरू हो जाएगा। मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट के अपर जिला एवं सत्र न्यान्याधीश दिनेश कुमार गौतम की अदालत कर रही है। अभियोजन की ओर से पेश जिला शासकीय अधिवक्ता गुलाब चंद्र अग्रहरि ने बताया कि करीब साल भर से आरोप तय करने की कई तारीख लगी, लेकिन आरोप सोमवार को तय हुआ। तीनों आरोपियों को चित्रकूट जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश किया गया था। गौरतलब है कि माफिया अतीक अहमद और उसके छोटे भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ की हत्या तीन शूटरों ने 15 अप्रैल 2023 को रात करीब सवा नौ बजे कर दी थी। माफिया भाइयों को कॉल्विन अस्पताल में मेडिकल के लिए पुलिस हिरासत में लाया गया था। मीडियाकर्मी बनकर पहुंचे तीनों शूटरों ने हत्या को अंजाम देने के बाद मौके पर ही सरेंडर कर दिया था। इसके बाद उन्हें प्रतापगढ़ जेल भिजवा दिया गया था। बाद में सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उन्हें चित्रकूट जेल भिजवा दिया गया था। मौजूदा समय तीनों वही बंद हैं। सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये तीनों शूटरों की चित्रकूट जेल से पेशी करवाई गई।

लूटपाट करने वाले गिरोह के तीन अभियुक्तो को किया गया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी डॉक्टर दुर्गेश कुमार ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राजधानी में अंतरराज्यीय और अंतर्जनपदीय गिरोह सक्रिय है। एस०बी० शिरडकर पुलिस आयुक्त लखनऊ के द्वारा अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के मद्देनजर डा0 दुर्गेश कुमार पुलिस उपायुक्त (प०) व विश्वजीत श्रीवास्तव अपर पुलिस उपायुक्त (प०) के निर्देशन मे यात्रियो के साथ रात्रि मे हो रही लूटपाट जैसी घटनाओ की रोकथाम हेतु राजकुमार सिंह सहायक पुलिस आयुक्त चौक के मार्गदर्शन मे श्रीकान्त राय प्रभारी निरीक्षक थाना ठाकुरगंज लखनऊ के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अथक प्रयास से मुखबिरी सूचना के आधार पर दिनांक– 01/05/2024 को पंपिंग स्टेशन बंधा रोड के पास थाना ठाकुरगंज लखनऊ से ऑटो ई–रिक्शा सवारियो को सुनसान रास्ते पर ले जाकर उनके साथ मारपीट कर लूटपाट करने वाले कुल 03 अभियुक्तगण 1. जितेन्द्र कुमार गुप्ता उर्फ जीतू पुत्र रामलाल गुप्ता नि०– ग्राम व थाना मोहब्बतपुर पाइंसा जिला कौशाम्बी उम्र करीब 29 वर्ष हालपता– 124/15 काशीराम कालोनी हंसखेड़ा थाना पारा लखनऊ 2. हर्ष सोनकर पुत्र स्व० विनोद सोनकर नि0–162/148 रिन्कू लोन्ड्री के सामने रुई गद्दे की दुकान के पास थाना वजीरगंज लखनऊ उम्र करीब 19 वर्ष 3. प्रिन्स सोनकर पुत्र स्व० लाला राम सोनकर निवासी–कैसरबाग बालदा कालोनी झोपड़पट्टी थाना कैसरबाग लखनऊ उम्र करीब 20 वर्ष संबन्धित 1. मु0अ0सं0–182/2024 धारा–394 भादवि0, 2. मु0अ0सं0– 183/2024 धारा–394 भादवि0 एवं 3. मु0अ0सं0–184/2024 धारा–411 भादवि0 थाना ठाकुरगंज लखनऊ को लूट के सामान के साथ गिरफ्तार कर अग्रिम आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। ज्यादातर घटनाओ की तरह इस गैग का भी सरगना जीतू उर्फ जितेन्द्र जनपद कौशांबी का रहने वाला है जो हाल ही मे कुछ महीने पूर्व सउदी अरब से लौटा है। सामान्य रुप से देखा जा रहा है कि जो भी गंभीर प्रकार की घटनाएँ हो रही है उसके अभियुक्त या तो गैर जनपद या दूसरे राज्य के होते है जो अस्थाई रुप से लखनऊ में रुकते है, और घटना कर के चले भाग जाते इनकी पहचान करना व घटना का अनावरण करना काफी कठिन होता है। ऐसे मे थाना ठाकुगंज पुलिस टीम द्वारा सभी अभियुक्तो की गिरफ्तारी लूट के माल के साथ किया गया। अभियुक्तगणो की गिरफ्तारी मे थाना ठाकुरगंज मे नियुक्त का० शिवम सिंह, का0 दीपनारायण एवं का० बृजेश कुमार की अहम भूमिका रही। जिसपर पुलिस उपायुक्त (प०) द्वारा 10 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया है।

अपराध का तरीका बताते हुए पुलिस उपायुक्त डॉक्टर दुर्गेश कुमार ने कहा कि गिरोह का सरगना जीतू उर्फ जितेन्द्र जो जनपद

कौशांबी का रहने वाला है। इसके द्वारा लखनऊ के ई–रिक्शा के चालक हर्ष व उसके चचेरे भाई प्रिंस को अपने गिरोह मे सम्मिलित कर रात्रि के समय जनपद के विभिन्न रेलवे स्टेशन व बस स्टैन्ड पर बाहर से आने वाले यात्रियो को योजनाबद्ध तरीके से ई–रिक्शा में बैठाता था इसका अन्य एक साथी पहले से ही सवारी बन बैग लटकाकर उक्त ई–रिक्शा में बैठा रहता था जिससे की ई–रिक्शा पर बैठने वाले सवारी को शक न हो। थोडी दूर जाने के बाद फोन करने पर अन्य साथी उसी ई–रिक्शा में बैठ जाते थे जिसके बाद ई–रिक्शा चालक उक्त ई–रिक्शा को गुलाला घाट, कुडिया घाट, मेंहदी घाट थाना क्षेत्र ठाकुरगंज व अन्य सुनसान मार्गो की ओर ले जाकर सवारी के साथ मारपीट कर व चाकू लगाकर लूटपाट करते थे और जनपद लखनऊ छोडकर भाग जाते थे। थाना ठाकुरगंज की पुलिस टीम के अथक प्रयास से उक्त गिरोह के कुल तीन अभियुक्तो को गिरफ्तार किया गया।

चारबाग रेलवे स्टेशन से दुबग्गा जाने के लिये ई–रिक्शा टेम्पो मे बैठा तभी अभियुक्तगणो द्वारा उन्हे गुलाला घाट के पास अंधेरे मे ले जाकर मारपीट कर मोबाइल फोन, पासबुक व रुपये लूट लिये गये तहरीरी सूचना के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0–183/2024 धारा–394 भादवि0 पंजीकृत किया गया। थाना ठाकुरगंज पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये उपरोक्त अभियोग का अनावरण किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य बरामद सामान भी लूटे गये है जिसके संबंध मे थाना स्थानीय पर मु0 अ0 सं0–184/24 धारा 411 आईपीसी पंजीकृत कर विवेचनात्मक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक श्रीकान्त राय थाना ठाकुरगंज लखनऊ, उप निरीक्षक राजीव प्रताप सिंह चौकी प्रभारी सतखंडा थाना ठाकुरगंज लखनऊ, उप निरीक्षक हेमू पटेल कांस्टेबल शिवम सिंह, दीप नारायण, बृजेश कुमार यादव, आदेश सिंह, शैलेन्द्र कुमार थाना ठाकुरगंज लखनऊ शामिल रहे।

डीएम चौराहे से निकाली गयी मतदाता जागरूकता बाईक रैली

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत आज डीएम चौराहे से मतदाता जागरूकता बाईक रैली निकाली गयी। रैली नुमाइश चौराहा, बड़ा चौराहा, सिनेमा चौराहा, कलेक्ट्रेट के सामने से होते हुए पुलिस लाइन में समाप्त हुई। रैली के दौरान जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने स्वयं बाईक चलाते हुए रैली का नेतृत्व किया। पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी भी उनके साथ बाईक पर बैठे। मार्ग में कई स्थानों पर आम मतदाताओं ने पुष्प वर्षा कर रैली का स्वागत किया। रैली के समापन स्थल पुलिस लाइन में जिलाधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलायी। रैली में बड़ी संख्या में विभिन्न अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं व आमजन ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर उपनिदेशक कृषि डॉ नंदकिशोर, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी डॉ रामप्रकाश व जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार आदि उपस्थित रहे।

'अयोध्या राममंदिर में हरियाली विकसित करने का 70 फीसदी काम पूरा'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या राम जन्म भूमि के ऐतिहासिक महत्व के किसी भी स्थल की हरियाली शांति और आकर्षण को बढ़ाने में काफी मदद करती है। राम जन्मभूमि परिसर की हरियाली भी भक्तों को लुभाती नजर आएगी। यहां हरियाली विकसित करने का 70 फीसदी काम पूरा हो चुका है। परिसर में रामायण में वर्णित विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किए जा रहे हैं, साथ ही कई ऐसे पौधे भी लगाए जा रहे हैं जिनकी खुशबू से पूरा परिसर महकता रहेगा। जीएमआर समूह अपनी सीएसआर शाखा, जीएमआर वर–लक्ष्मी फाउंडेशन के स माध्यम से एक धर्मार्थ पहल के रूप में श्री रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र परिसर में हरियाली विकसित करने का काम कर रही है। मंदिर परिसर को सजाने के लिए 80 से अधिक प्रजातियों के वृक्ष और 35 से अधिक झाड़ियों और फूलों की प्रजातियों को चुना गया है। राममंदिर परिसर की सीमा पर तीन स्तरीय वृक्षारोपण किया जा रहा है। उपवन में सभी मौसम में फूल देने वाले सभी प्रकार के पौधे रोपित किए जा रहे हैं। वहीं पंचवटी, उद्यान व फौव्वारों के जरिये भी परिसर की शोभा निखरेगी। परिसर में लग रहे वृक्षों में अशोक, निपा पाम, रेडवुड, नीम, भारतीय कीनो, बीजाका, बेरी फल, मधुका, बांस, चंदन, बबूल, शमी आदि शामिल हैं।

नगर कोतवाली क्षेत्र में ट्रैक्टर–ट्राली की चपेट में आकर छात्रा की मौत के मामले में ट्रैक्टर–ट्राली व चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज'

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार। नगर कोतवाली क्षेत्र में ट्रैक्टर–ट्रॉली की चपेट में आकर हुई अवध विश्वविद्यालय की छात्रा की मौत के मामले में मृतका के पिता ने ट्रैक्टर–ट्रॉली व उसके चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी संस्थान परिसर से घर कुढ़ा केशवपुर जा रही डी–फार्मा द्वितीय वर्ष की छात्रा अलसबा (20) की सोमवार को सड़क हादसे में मौत हो गई थी। पुलिस को दी गई तहरीर में छात्रा के पिता मो. हसनैन का कहना है कि उनकी पुत्री साथियों के साथ सड़क किनारे जनौरा कट के पास सवारी का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान ट्रैक्टर यूपी 72 एएक्स 3468 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उनकी पुत्री को टक्कर मार दी। ट्रॉली के पहिए के नीचे आने के चलते अलसबा खातून की मौत हो गई। नगर कोतवाल अश्विनी कुमार पांडेय ने बताया कि छात्रा के पिता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। दुर्घटना करने वाली ट्रैक्टर–ट्रॉली पुलिस के कब्जे में है। चालक की पहचान व तलाश कराई जा रही है।

योग गुरु स्वामी महेश योगी की भीष्म प्रतिज्ञा अयोध्या हनुमानगढ़ी में अनवरत 6 माह तक भोजन त्यागकर 1 करोड़ 51 लाख स्ट्रोक कपालभाति करने का दृढ़ संकल्प का एक महीना हुए पूरे

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी बसंतिया पट्टी अयोध्या के लोकप्रिय संत, हठयोगी महेश दास उर्फ स्वामी महेश योगी की हनुमानगढ़ी निज आश्रम पर 2 अप्रैल 2024 से भोजन का त्यागकर अनवरत 11 घंटे प्रतिदिन कपालभाति की कठोर साधना निरंतर जारी हैं। प्रतिदिन 11 घंटे में उन्होंने एक लाख स्ट्रोक कपालभाति करने का लक्ष्य निर्धारित कर रखा है।

गौर तलब है कि स्वामी जी ने आज 30 दिन की अनवरत साधना पूर्ण करने के साथ–साथ 30 लाख कपालभाति करने का एक नया आयाम स्थापित किया हैं किंतु यह अभी विराम नहीं हुआ है। लगभग एक करोड़ 51 लाख स्ट्रोक कपालभाति करने हेतु उनकी यह साधना अभी अनवरत 6 माह तक जारी रहेगी।

भारत के चारों दिशाओं में चार दिव्य योग धाम (हनुमान जी की चार धर्मपीठ) तथा अयोध्या में इन सभी योगपीठ के केंद्र के रूप में ब्रह्मर्षि वशिष्ठ योगपीठ की स्थापना करने हेतु 22 नवंबर 2022 को सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में अयोध्या के वरिष्ठ संत जनों की उपस्थिति में अपने पूज्य गुरुदेव भगवान की सहमति से स्वामी महेश योगी ने श्री हनुमान जी का आशिर्वाद लेकर 14 वर्ष के अंतराल में यानी सन 2036 तक भारत के चारों दिशाओं में (पश्चिम भारत गुजरात में रूद्र धाम, उत्तर भारत जम्मू कश्मीर में हनुमत धाम, दक्षिण भारत केरल में रामेष्ठ धाम यथा पूर्वी भारत मेघालय में पिगाक्ष धाम) इन चार दिव्य योग धाम की स्थापना का संकल्प लिया था। इस महनीय उद्देश्य की पूर्ति के लिए स्वामी महेश योगी जी ने 14 वर्षीय यात्रा को सफल आयाम तक ले जाने हेतु पांच संकल्प लिए थे जिसमें से एक 11 दिवस तक अनवरत कपालभाति करने का भी संकल्प रहा। जिसका आयोजन

सितंबर 2024 राजधानी दिल्ली में होना सुनिश्चित है। दिल्ली में महेश योगी अनवरत दिन – रात 11 दिवस तक (यानी 264 घंटे) लगातार लगभग 21 लाख स्ट्रोक कपालभाति करने का संकल्प पूर्ण करने के उद्देश्य से अयोध्या श्री हनुमानगढ़ी अपने निज आश्रम पर 2 अप्रैल 2024 से भोजन का त्याग कर अनवरत कपालभाति की कठोर हठ योग साधना कर रहे हैं।

योग, कला, साहित्य व अध्यात्म के क्षेत्र में पहले भी अनेकों विश्व कीर्तिमान बनाकर आपने विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया है।

आपके द्वारा बनाए गए विशेष कीर्तिमानों में अनवरत 76 घंटे तक योग मैराथन करने का विश्व रिकॉर्ड, अनवरत 51 घंटे कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड, 1 मिनट में 21 बार सूर्य नमस्कार करने का विश्व रिकॉर्ड, एक घंटा 15 मिनट शीर्षासन में कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड, अयोध्या मां सरयू की गोद में लगातार 2378 बार डुबकियां लगाने का विश्व रिकॉर्ड, चित्रकला के क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी व्यक्ति चित्र श्रृंखला बनाने का विश्व रिकॉर्ड, अब तक 11000 चित्रों का सृजन करने का रिकॉर्ड तथा दिव्य भारत गौरव ग्रंथ एवं भारत ऋषि ज्ञान एनसाइक्लोपीडिया के लेखन कार्य जैसे अनेकों विशिष्ठ कीर्तिमान महेश योगी जी के नाम से दर्ज हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में सात बार एम. ए., एमफिल तथा पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुके महेश योगी विविध विद्यालय एवं विश्वविद्यालय में प्रवक्ता एवं असिस्टेंट प्रोफेसर व डायरेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर चूके हैं तथा योग, कला व साहित्य में आपने अब तक 32 पुस्तकों का लेखन भी किया है और शासन द्वारा आपके पैतृक गांव का नाम बदलकर (महेश योगी नगर) कर दिया गया है। वर्तमान में महेश योगी अयोध्या सिद्धपीठ श्री हनुमानगढ़ी में लगभग दो दशक से श्री हनुमान जी के दास के रूप में योग एवं आध्यात्मिक के क्षेत्र में राष्ट्र की आराधना में सेवारत हैं। योग व आध्यात्म को बढ़ावा देने हेतु अपने दिव्य भारत निर्माण ट्रस्ट एवं भारत योग एसोसिएशन ट्रस्ट की स्थापना भी किया है जो आज संपूर्ण भारतवर्ष में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है।

परिषदीय विद्यालयों में 40 मिनट की क्लास व 30 का होगा लंच

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।निजी स्कूलों की तरह अब परिषदीय विद्यालयों में भी शिक्षण कार्य कराया जाएगा। परिषदीय विद्यालयों में अब प्रत्येक कक्षा की पढ़ाई 40 मिनट की होगी। साथ ही 30 मिनट का लंच होगा। यह समय सारिणी सभी परिषदीय विद्यालयों में लागू कर दी गई है। विद्यालयों में आठ विषयों की कक्षाएं होंगी। इसके लिए सभी स्कूलों में नियमानुसार पढ़ाई करने के निर्देश दिए हैं।बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से परिषदीय विद्यालयों को मैं शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए नए–नए प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में 1792 परिषदीय विद्यालय हैं और उनमें दो लाख बच्चे पंजीकृत हैं। अब यहां अध्ययनरत बच्चों के लिए टाइम टेबल बनाया गया है। समय में बांटकर सभी विषयों की रोजाना पढ़ाई होगी। प्रत्येक कक्षा में विषय की पढ़ाई 40 मिनट की होगी। शुरुआत में जब नौनिहाल विद्यालय पहुंचेंगे तो 15 मिनट में प्रार्थना सभा होगी। प्रधानाध्यापक को पूरे सप्ताह की समय सारिणी बनानी होगी। समय सारिणी विद्यालय के बाहर बोर्ड पर चस्पा की जाएगी। यह समय सारिणी सभी विद्यालयों में तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

बाल विवाह रोकने के लिए करे 181, 1098, एवं 112 नम्बर पर कॉल

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)जिला प्रोबेशन अधिकारी सुशील कुमार सिहं ने बताया है, कि अक्षय तृतीया (10 मई 2024) के अवसर पर ज्यादातर बाल विवाह होने की वजह से बेटियों को आर्थिक, मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ना सहनी पड़ती है। उन्होंने बाल विवाह के बचाव के लिए समस्त संस्थाओ, महिला समूह, ग्राम प्रधानो एवं आगंनबाडी कार्यकत्रियो, आशाबहुओ, समाज सेविकाओ से अनुरोध है कि बाल विवाह को जनपद में खत्म करने के लिए, बच्चो के भविष्य को सवारने के लिए कृपया बाल विवाह रोकथाम के लिए 181,1098, एवं 112 नम्बर पर कॉल करे या सीधे जिला प्रोबेशन कार्यालय या जिला बाल संरक्षण इकाई रेलवेगंज हरदोई में सम्पर्क करें।

लड़की की उम्र 18 वर्ष व लड़के की उम्र 21 वर्ष से कम होती है तो बाल विवाह कहा जाता है। बाल विवाह सम्पन्न कराये जाने वाले व्यक्ति जैसे पंड़ित, मौलवी, माता–पिता, दोस्त इत्यादि को दो वर्ष की कड़ी सजा या एक लाख का जुर्माना या दोनो हो सकते है।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए ओंकार सेवा संस्थान द्वारा किया जा रहा प्रशिक्षित

अयोध्या। अमानीगंज विकास खण्ड में उद्यम विकास कार्यक्रम के तहत ओंकार सेवा संस्थान द्वारा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर की ओर से प्रशिक्षित किया जा रहा है।कानपुर से प्रशिक्षण देने आये डॉ जेपी सिंह ने कहा कि कानपुर स्थित देश के सबसे पुराने और प्रमुख कपड़ा संस्थान उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान अब अयोध्या की महिलाओं को केला के रेशा से कपड़ा बनाना और प्राकृतिक रंगों से उसकी रंगाई के साथ साथ सभी पहलुओं पर तकनीकी जानकारी प्रदान करेगा।बताते चलें कि इस समय अमानीगंज विकास खंड में नब्बे महिलाओं को आजीविका और उद्यम विकास कार्यक्रम के अंतर्गत अलग अलग प्रकार के प्रशिक्षण ओंकार सेवा संस्थान द्वारा नाबार्ड के सहयोग से प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में कानपुर के उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान के सह प्राध्यापक डॉक्टर जे पी सिंह ने बुधवार और बृहस्पतिवार को महिलाओं को रेशा के विविध प्रकार ,उनकी रंगाई ,कपड़ा बनाने कि विधि तथा हैंडलूम पर विभिन्न प्रकार की डिजाइन तथा चित्र बनाने का प्रायोगिक ज्ञान प्रदान किया।मालूम हो कि डॉक्टर जे पी सिंह प्राकृतिक रेशा क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वैज्ञानिक है जिनके शोध–पत्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हो चुके है। ,ऐसे में गांव की महिलाओं

को ऐसे संस्थान से संबद्ध होकर हुनर प्राप्त करना तथा वहां के वैज्ञानिकों का गांव मे आकर महिलाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रहे हैं।कार्यक्रम में शामिल समन्वयक सूर्य कुमार त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान केला के रेशा पर अपनी प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के परीक्षण करके संबंधित जानकारी संस्थान को प्रदान करेगा इसके लिए दोनो संस्थानों में एक समझौता भी हो रहा है। डॉक्टर जे पी सिंह ने बताया कि केला रेशा को चमकदार और मुलायम बनाने के लिए संस्थान की प्रयोगशाला में प्रशिक्षण करके कार्डिंग मशीन और रोटर स्पिनिंग की मदद से शत प्रतिशत शुद्ध केला का धागा बनाने का प्रयास किया जायेगा इसके अतिरिक्त केला रेशा को जूट तथा कॉटन के साथ मिलाकर भी धागा बनाया जायेगा।इन सभी कामों में संस्थान का प्रयास होगा कि महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिले और वे आत्मनिर्भर बन सके।प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रियंका ,गीता सिंह, अंकुर, शिवानी, अरुणिमा सहित कई महिलाएं उपस्थित रही।

'एक मई से बदल जाएंगे ये नियम' 'आपकी जेब पर ऐसे डालेंगे' 'असर'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। 1 मई से बदल जाएंगे ये नियम आपकी जेब पर ऐसे डालेंगे असर,नए वित्त वर्ष (2024–25) का पहला महीना भी अब खत्म होने के कगार पर आ गया है। मई की शुरुआत के साथ ही कई नियमों में परिवर्तन होने वाला है, जो आम जनता के जीवन पर सीधा असर करेगा। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं की एक मई से ऐसे कौन से बड़े बदलाव होंगे जिनका असर आम आदमी की जेब पर पड़ सकता है। ICICI बैंक भी सेविंग कार्ड से जुड़े नियमों में बदलाव करने जा रहा है, अब ग्रामीण क्षेत्र में ग्राहकों को डेबिट कार्ड के लिए सालाना 99 रुपए और शहरी क्षेत्र में 200 रुपए की फीस देनी होगी. YES बैंक सेविंग खातों के विभिन्न प्रकारों के लिए मिनिमम एवरेज बैलेंस में परिवर्तन किया गया है। अकाउंट्स के लिए मिनिमम एवरेज बैलेंस 50,000 रुपए हो गया है और मैक्सिमम चार्ज में बदलाव कर 1000 रुपए कर दिया गया है। HDFC बैंक ने सीनियर सिटीजन के लिए एक स्पेशल एफडी स्कीम शुरू की है, जिसमें वे 10 मई तक शामिल हो सकते हैं. जैसा की हम सब जानते हैं कि हर महीने की पहली तारीख को तेल कंपनियां घरेलू और कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में परिवर्तन करती हैं, इसलिए मई की पहली तारीख को गैस की कीमतों में बदलाव की संभावना है। इसके अलावा पेट्रोल–डीजल की कीमतों में भी बदलाव हो सकता है जिसका असर आम आदमी की जेब पर पड़ पड़ेगा।

'परिषदीय विद्यालयों में 40 मिनट की क्लास व 30 का होगा लंच'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। निजी स्कूलों की तरह अब परिषदीय विद्यालयों में भी शिक्षण कार्य कराया जाएगा। परिषदीय विद्यालयों में अब प्रत्येक कक्षा की पढ़ाई 40 मिनट की होगी।

साथ ही 30 मिनट का लंच होगा। यह समय सारिणी सभी परिषदीय विद्यालयों में लागू कर दी गई है। विद्यालयों में आठ विषयों की कक्षाएं होंगी। इसके लिए सभी स्कूलों में नियमानुसार पढ़ाई करने के निर्देश दिए हैं।बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से परिषदीय विद्यालयों को मैं शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए नए–नए प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में 1792 परिषदीय विद्यालय हैं और उनमें दो लाख बच्चे पंजीकृत हैं। अब यहां अध्ययनरत बच्चों के लिए टाइम टेबल बनाया गया है। समय में बांटकर सभी विषयों की रोजाना पढ़ाई होगी। प्रत्येक कक्षा में विषय की पढ़ाई 40 मिनट की होगी। शुरुआत में जब नौनिहाल विद्यालय पहुंचेंगे तो 15 मिनट में प्रार्थना सभा होगी। प्रधानाध्यापक को पूरे सप्ताह की समय सारिणी बनानी होगी। समय सारिणी विद्यालय के बाहर बोर्ड पर चस्पा की जाएगी। यह समय सारिणी सभी विद्यालयों में तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

ऐश्रा जेम्स एंड ज्वेल्स कर रहा है रणनीतिक विस्तार, कंपनी ने खोले नए स्टोर, फ्रेंचाइजी स्टोर बने और भी भव्य

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से रणनीतिक कदम उठाते हुए, उत्तर भारत की प्रतिष्ठित ज्वैलरी चेन ऐश्रा जेम्स एंड ज्वेल्स तेजी से अपने नए स्टोर्स ला रही है। कंपनी द्वारा विस्तार की यह रणनीति उच्च गुणवत्ता वाले आभूषणों की बढ़ती मांग को पूरा करने और ग्राहकों को एक बेहतरीन खरीदारी अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई गई है। इसके साथ ही, उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, कंपनी अपने फ्रैंचाइजी आउटलेट्स को व्यापक पैमाने पर बदलकर उन्हे अधिक भव्य बना रही है ताकि ग्राहकों को और भी बेहतर अनुभव मिल सके। ऐश्रा जेम्स एंड ज्वेल्स की महत्वाकांक्षी विस्तार योजनाएं उत्तर भारत में अग्रणी ज्वैलरी रिटेलर के लिए एक महत्वपूर्ण कदम हैं। नए स्टोर खोलने और मौजूदा फ्रैंचाइजी स्टोर्स को बेहतर बनाने और उनको शहर के प्रमुख लोकेशन पर पहुंचाने पर भी कंपनी काम कर रही है। कंपनी का लक्ष्य अपनी पहुंच को व्यापक बनाना और ग्राहकों की ज्वेलरी से संबंधित विभिन्न जरूरतों को पूरा करना है। इसी रणनीति के तहत कंपनी ने आजमगढ़ में कंपनी में बड़ा और भव्य स्टोर खोला है साथ ही पडरौना स्थित फ्रेंचाइजी स्टोर को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करते हुए शहर के बीचो–बीच लेकर आए हैं। अभी तक ऐश्रा जेम्स एंड ज्वेल्स उत्तर प्रदेश में 9 जिलों में पहुंच चुका है। कंपनी के कुल 10 शोरूम हैं। कंपनी अपने विस्तार के साथ ग्राहकों को इन दिनों शानदार ऑफर भी दे रही है। ग्राहकों को आभूषणों की खरीद पर सोने का सिक्का मुफ्त दिया जा रहा है। यह ऑफर्स कंपनी के सभी 10 स्टोर्स पर ग्राहकों के लिए उपलब्ध ऐश्रा जेम्स एंड ज्वेल्स द्वारा दी जाने वाली प्रतिबद्धता को नए इलाकों तक

होगा। यह स्टोर्स उत्तर प्रदेश के 9 शहरों में है, जिसमें गोरखपुर में दो स्टोर्स, पडरौना, देवरिया,बस्ती, आजमगढ़ बलिया, संत कबीर नगर, रायबरेली और अयोध्या में एक एक स्टोर शामिल हैं। ऐश्रा जेम्स एंड ज्वेल्स के श्री अतुल सराफ ने विस्तार पहल के बारे में उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम उत्कृष्ट आभूषणों और बढ़िया सेवा के लिए पहुंचाने के लिए उत्सुक हैं। यह विस्तार हमारी निरंतर परिश्रम को दर्शाता है। अपनी उपस्थिति बढ़ाकर और अधिक बेहतरीन खरीदारी अनुभव प्रदान करके, हमारा लक्ष्य ऐश्रा को बड़े पैमाने पर ग्राहकों के लिए सुंदर और अद्वितीय आभूषणों की मंजिल बनाना है, साथ ही प्रदेश में नित नए निवेश के जरिय रोजगार भी पैदा करना है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।